वर्ष - 32 अंक - 51 | नई दिल्ली, 20 - 26 दिसम्बर, 2020 | कुल पृष्ठ - 8, वार्षिक शुल्क 200/- (डाक द्वारा)

NNS प्रकाशन

बदलते भारत की सभ्य तस्वीर

सप्ताहांत

मेरी दिल्ली

Mob.: 08447732401 www.meridelhi.com www.nnsmediagroup.com

संस्थापक : स्वर्गीय नेकीराम गुप्ता । प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता । संपादक : राजेश गुप्ता । संवाददाता : अक्षय गुप्ता । कार्यालय : मेरी दिल्ली हाउस, 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26 । मूल्य 3:00/- /MeriDelhiNews ई-मेल:nnsonline@nnsonline.com

मीना गुप्ता जी की अध्यक्षता में महिला मंडल पंजाबी बाग कार्यकारिणी की मीटिंग सफलतापूर्वक सम्पन्न

श्रीमती मीना गुप्ता

आज 17 दिसंबर को बीकानेरवाला में महिला मंडल पंजाबी बाग की अध्यक्षा श्रीमती मीना गुप्ता जी के नेतृत्व में कार्यकारिणी समिति की मीटिंग सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। मीटिंग का प्रारंभ गायत्री मंत्र के उच्चारण से किया गया। मीना जी की माता श्री के आकस्मिक निधन पर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर प्रार्थना की गई। मीटिंग में निम्नलिखित विषयो पर चर्चा की गई-

1. कोरोना महामारी के चलते पिकनिक का प्रोग्राम रखा जाये या नहीं इस विषय पर चर्चा हुई।
2. नव वर्ष में संस्था के प्रचार और फैलाव के लिए क्या-क्या नए कार्य किए जाएं।
3. मकर सक्रांति के अवसर पर जरूरत मंद व्यक्तियों के लिए कुछ गर्म कपड़ों की व्यवस्था करने के सुझाव पर सबकी सहमति ली गई इन सभी विषयों पर चर्चा हुई।

मीटिंग में किरण गोयल जी, कृष्णा मंगला जी, शारदा अग्रवाल जी, नीलम मल्होत्रा जी, रचना गर्ग जी, करुणा गोयल जी, भामा बंसल जी, पुष्पा खंडेलवाल जी, रूचि गुप्ता जी, स्तुति गुप्ता जी, कुसुम अग्रवाल जी, रेखा बंसल जी, चन्द्रकला बंसल जी, सुनीता शर्मा जी, सुनीता मंगला जी, नीलम सिंघल जी, दिव्या सिंघल जी, अरुणा गुप्ता जी, विमला गोयल जी, मंजू गुप्ता जी, पूर्णिमा जैन, श्वेता गर्ग जी ने भाग लिया। मीटिंग में सभी सदस्यों को उनके सहयोग के लिए मीना गुप्ता जी ने दुपट्टा पहना कर सदस्यो का सम्मान किया तथा उनका हौसला अफजाई की गई। तत्पश्चात सभी ने स्वादिष्ट भोजन किया और फिर सबने अपने अंदाज में मस्ती की। इस उपस्थिति के लिए समस्त कार्यकारिणी समिति अपना आभार व्यक्त करती हैं।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने बार्डरों पर डटे किसानों के लिए लगाया दस्तार का लंगर

नौजवानों को अपनी विरासत व सिखी से जोड़ना मुख्य मकसद : मनजिंदर सिंह सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली के बार्डरों पर डटे किसानों के लिए अब दस्तारों का लंगर लगा दिया है।

शनिवार को सिंघू बार्डर पर कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने स्वंय एक विशेष कैंप में पहुंच कर नौजवानों के सिर पर दस्तार सजाने की सेवा की। इस मौके पर स. सिरसा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि हमारा मुख्य मकसद नौवानों को अपनी विरासत और सिखी से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि सुबह तकरीबन 450 नौजवानों के सिर पर दस्तारें सजाई गई हैं। उन्होंने बताया कि इस विशेष कैंप को लेकर नौजवानों में बहुत उत्साह है और खास तौर पर पंजाब और हरियाणा के नौजवान किसान इस कैंप में आकर दस्तार सजा रहे हैं एवं दस्तार सजाने की ट्रेनिंग भी ले रहे हैं। स. सिरसा ने बताया कि इससे पहले कमेटी द्वारा संघर्ष की शुरुआत में लंगर की सेवा शुरु की गई थी जिसके बाद दवाईयों व एंबुलेंस की सेवा की गई रोटी बनाने वाली मशीनें तैनात की गई ओर इसके बाद रैन बसेरे बनाए गए व दस्तारों के साथ-साथ पिन्नी की सेवा गई और संघर्ष कर रहे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाली पिन्नियां बांटी गईं तांकि इन्हें कड़कती ठंड के प्रभाव से बचाया जा सके। इस दौरान दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा चार साहिबजादों सहित अन्य धार्मिक फिल्में संगतों के लिए दैनिक आधार पर दिखाई जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि कमेटी द्वारा गुरु साहिब के दर्शाए मार्ग पर चलते हुए जहां संगत की सेवा की जा रही है वहीं ज्यादा से ज्यादा संगत को अपने गौरवमई इतिहास से परिचित करवाने का भी प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों मे यह सेवा और भी तेज की जायेगी और किसानों के लिए अन्य किसी भी प्रकार की जरूरत होगी तो उसकी भी सेवा की जाएगी।

एन सी जिंदल पब्लिक स्कूल में एनसीजेपीएस एल्यूमनी एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट मैच आज

स्कूल के सभी एल्यूमनी सादर आमंत्रित

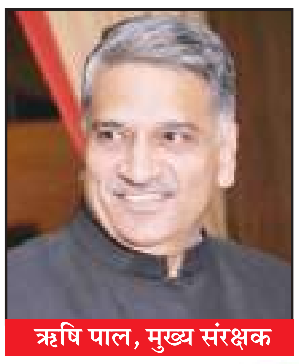

ऋषि पाल, मुख्य संरक्षक

अशोक गोयल, चेयरमैन

पंजाबी बाग। एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल (एनसीजेपीएस) एल्यूमनी एसोसिएशन (रजि.) द्वारा 'चेयरमैन्स एल्युमनी चैलेंजर टी 20 क्रिकेट कप' का आयोजन 20 दिसंबर को एनसी जिंदल पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग के ग्राउंड में होगा। एल्यूमनी एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक ऋषि पाल व चेयरमैन अशोक गोयल ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक क्रिकेट मैच 10-10 ओवर का होगा, जिसमें चेयरमैन-॥, पैट्र्न-॥, प्रेसिडेंट-॥, प्रिंसिपल-॥ सहित चार टीमें होंगी। विजेता टीम को चेयरमैन्स एल्यूमनी चैलेंजर टी 20 क्रिकेट मैच की ट्राफी दी जाएगी। वहीं उपविजेता टीम को भी सम्मानित किया जाएगा। मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच व फाइनल मैच के पश्चात मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट ऑलराउंडर एवं बेस्ट फील्डर के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा।

एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रधान योगेश मेहता व जनरल सेक्रेटरी अमित चड्ढा ने बताया कि कोरोना के चलते लोग काफी समय से घर में कैद रहे। ऐसे में अब इस क्रिकेट मैच का आयोजन होने से लोग बढ़- चढ़कर इसका आनंद उठाएंगे। कोरोना के तनाव के माहौल को दूर करने के लिए यह क्रिकेट मैच सभी के लिए यादगार रहेगा। इसलिए हमने स्कूल के सभी पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया है। योगेश मेहता व अमित चड्ढा ने इस क्रिकेट मैच के लिए स्कूल मैनेजमेंट, स्कूल प्रिंसिपल डॉ. डी.के. पाण्डे, माटा सर व स्पॉन्सर्स का भी धन्यवाद व्यक्त किया, जिनकी वजह से क्रिकेट मैच का यह कार्यक्रम आयोजित होगा।

इस क्रिकेट मैच के मुख्य प्रायोजक अशोक गोयल (चेयरमैन एनसीजेपीएस एल्यूमनी एसोसिएशन), सह प्रायोजक एग्रो प्योर, ब्रिज स्पोर्ट्स व शिव फ्रूट मार्ट हैं। स्कूल की एल्यूमनी एसोसिएशन की आर्गनाइजिंग कमेटी में नितिन सहगल, कुमुद खन्ना, विपीन पशरिचा, मन्जू सिंघल, रोहित शर्मा, पूर्णिमा गर्ग, विनय कपूर, राजेश छाबड़ा व सोरभ मित्तल इत्यादि सदस्य है।

स्व. वेद प्रकाश बाहम्बा को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

पीतमपुरा। प्रतिष्ठित समाजसेवी एवं उद्योगपति सचिन बाहम्बा के पिताजी स्व. वेद प्रकाश बाहम्बा जी को समाज एवं परिवार द्वारा भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 17 दिसंबर को गुरुद्वारा श्री सिंह सभा, कोहाट एंक्लेव, पीतमपुरा में सायंकाल 3 से 4 बजे तक आयोजित रस्म पगड़ी/ श्रद्धांजलि सभा में कोरोना के बावजूद वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्योगपति (डायरेक्टर डी मॉल) सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि 74 वर्षीय श्री वेद प्रकाश बाहम्बा जी की सामाजिक, धार्मिक कार्यों में अग्रणी भूमिका रहती थी। वे गरीब एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते थे। स्व. वेद प्रकाश बाहम्बा अपने पीछे पुत्र सचिन बाहम्बा एवं पंकज बाहम्बा का शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं। बाहम्बा परिवार के स्पेस इंडिया ग्रुप, अस्त्रोपोर्ट इंडिया, इक्विटी सेंटर, ग्लोबल एज (ऑस्ट्रेलिया) एवं एकेसिया मोटर इन (ऑस्ट्रेलिया) आदि प्रतिष्ठान सफलतापूर्वक संचालित हैं।

किसानों की आड़ में राजनीति

राजेश गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जबसे दोबारा सत्ता में आए हैं, तब से उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई योजनाओं की घोषणा की है। किसान सम्मान निधि और न्यूनतम समर्थन कीमत (एमएसपी) को बढ़ाना आदि उनकी ऐसी ही कुछ योजनाएं हैं। दो दिन पूर्व उन्होंने गन्ना किसानों के लिए एक योजना की घोषणा की है। प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक्स मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि गन्ना किसानों को उनके बकाया के भुगतान में मदद के लिए सरकार ने 3500 करोड़ रुपए की सहायता देने की घोषणा की है।

इस खबर में बताया गया है कि सरकार के इस कदम से करीब पांच करोड़ किसानों को मदद मिलेगी। केन्द्रीय उपभोक्ता एवं खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा की गई इस घोषणा को देखना और पढ़ना अच्छा लगा क्योंकि यह देश के अन्नदाताओं से जुड़ी हुई है। सवाल यह है कि यह घोषणा पहली नजर में जैसी दिखाई दे रही है, क्या असल में वैसी ही है? इसका उत्तर है बिल्कुल नहीं। सरकार की इस घोषणा को यदि गंभीरता से देखा और सुना जाए तो वास्तविकता तुरंत ही सामने आ जाती है। घोषणा के अनुरूप करीब 3500 करोड़ रुपए की यह धनराशि सरकार चीनी मिलों को देगी। इसके बाद चीनी मिलें किसानों के बकाए का आनुपातिक भुगतान उनके बैंक खातों में डालेंगी। दूसरे शब्दों में, सरकार ने प्रचार यह किया है कि वह किसानों की मदद कर रही है जबकि अप्रत्यक्ष रूप से वह चीनी मिल मालिकों की मदद कर रही है।

कारोबारी दुनिया में यह आम रिवाज है कि उद्योग को अपने कच्चे सामान का एक निश्चित अवधि में भुगतान करना होता है, वर्ना भविष्य में यह कच्चा सामान मिलने में भारी दिक्कतें आ जाती हैं लेकिन संभवत: पूरी दुनिया में भारत का चीनी उद्योग ही ऐसा एकमात्र उद्योग है, जो किसानों से कच्चा सामान यानी गन्ना तो खरीद लेता है लेकिन उसके भुगतान की कोई अवधि निश्चित नहीं है। पूर्व में चाहे किसी भी पार्टी की सरकारें रहीं हों, उन्होंने इस अनैतिक व्यापारिक गतिविधि के लिए कभी भी किसी चीनी मिल को दंडित करने की बजाए किसानों के बकाया भुगतान के लिए चीनी मिलों हेतु देर-सबेर सरकारी खजाने का मुंह ही खोला है।

सवाल यह है कि गन्ना किसानों को उनके बकाया भुगतान के लिए चीनी मिलों को यह राशि देकर सरकार वास्तव में किसकी मदद कर रही है? गन्ने का बकाया भुगतान किसानों का हक है। यह उनका अपना पैसा है। यदि किसानों को उनका अपना पैसा दिलाने के लिए सरकार आगे आई है तो इसमें मदद कहां है? मिलों को तो यह पैसा किसानों को खरीद के अधिक से अधिक एक सप्ताह बाद ही दे देना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। अब सरकार मिलों द्वारा यह भुगतान करने के लिए ही उन्हें धनराशि देकर वाहवाही लूटना चाह रही है। यदि सरकार किसानों की मदद करने की ही इच्छुक है तो उसे किसानों को उनके बकाया के साथ ब्याज भी दिलाना चाहिए या उन्हें और कोई इंसेंटिव देना चाहिए। इसके अलावा सरकार यह भी सुनिश्चित करे कि चीनी मिलें भविष्य में इस प्रकार किसानों के बकाया भुगतान को अनिश्चितकाल के लिए लटका कर नहीं रख सकें।

समस्या यह है कि सरकार विपक्ष पर किसानों की आड़ में राजनीति करने का आरोप लगा रही है। ऐसा हो सकता है। लेकिन सरकार भी तो इस मामले में किसानों की आड़ में राजनीति ही करती नजर आ रही है। ऐसा नहीं होना चाहिए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को इस प्रकार की राजनीति छोड़ देश के अन्नदाताओं की समस्याओं का हल ढूंढना चाहिए।

E-mail : rgupta@nnsonline.com

उदासियों को उत्सव में बदलने का नाम है 'शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान' : सविता चड्ढा

नई दिल्ली। सविता चड्ढा जन सेवा समिति, दिल्ली द्वारा हिन्दी भवन में चार महत्वपूर्ण सम्मान प्रदान किए गए। अपनी बेटी की याद में शुरू किए सम्मानों में, अति महत्वपूर्ण शहीरों में हीरा सम्मानश्च प्रो. डॉ. लारी आजाद को, साहित्यकार सम्मान घमंडीलाल अग्रवाल, शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान श्रीमती आशा शैली को और गीतकारश्री सम्मान, पंडित सुरेश नीरव को दिया गया।

शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान समारोह की संस्थापक एवं महासचिव तथा साहित्यकार सविता चड्ढा ने पिछले चार वर्षों से दिए जा रहे शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान के बारे में बताते हुए कहा कि 'उदासियों को उत्सव में बदलने का नाम है शिल्पी चड्ढा स्मृति सम्मान।' सविता चड्ढा ने श्रीमती आशा शैली को सम्मान के साथ साथ पाँच हजार एक सौ रुपए की नकद राशि भी प्रदान की और देश भर से पधारे लेखकों, कवियों का स्वागत किया।

देश भर से प्राप्त पुस्तकों में से कुछ पुस्तकों के लेखकों को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। संतोष परिहार को उनकी पुस्तक 'पेड़ चढ़े पहाड़', डॉ. अंजु लता सिंह को 'सारे जमीं पर', श्रीमती सूक्ष्म लता महाजन को 'नन्हे मुन्ने', श्रीमती वीणा अग्रवाल को उनकी पुस्तक 'नन्ही काव्या', श्रीमती सुषमा सिंह को उनकी पुस्तक 'नन्हा पाखी' और डॉ. सुधा शर्मा को उनकी पुस्तक 'तेरे चरणों में' के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्याम किशोर सहाय, एडिटर लोक सभा टीवी द्वारा पुरस्कार वितरित किये गए। विशिष्ट अतिथि डॉ. आशीष कांधवे, आधुनिक साहित्य और गगनांचल के संपादक और साहित्यकार ओम प्रकाश सपरा, सेवानिवृत्त मेट्रोपोलिटन मेजिस्ट्रेट और साहित्यकार ओम प्रकाश प्रजापति, टू मीडिया चौनल संस्थापक की इस अवसर पर विशेष उपस्थिति रही। मंच संचालन वरिष्ठ कवि अमोद कुमार ने किया।

इस अवसर पर श्रीमती वीणा अग्रवाल, डॉ.कल्पना पांडेय, अंजू भारती और उनके पति, ब्रह्मदेव शर्मा, जगदीश चावला, राजेंद्र नटखट, मधु मिश्रा, महेश बसोया, डॉ. शक्तिबोध, सुमन कुमारी, उमेश मेहता, किशनलाल, जुगल किशोर, दिनेश ठाकुर, सुषमा सिंह, सूक्ष्मलता महाजन, डॉ. अंजुलता सिंह, सोनल चड्ढा, रोहित कुमार, दीपाली चड्ढा, अभिराज चड्ढा भी शामिल हुए।

मेरी दिल्ली –मेरी शान

चुनावी बकाया

अक्षय गुप्ता

दिल्ली नगर निगम के चुनाव नजदीक आते ही भारतीय जनता पार्टी एक नए हथकंडे के साथ मैदान में कूद चुकी है। पूरी दिल्ली में इस समय बड़े-बड़े होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री से सवाल पूछ रही है कि वह दिल्ली नगर निगमों का 13000 करोड़ रुपए का बकाया कब चुकाएंगे। इसका जवाब अरविंद केजरीवाल को न तो देना था एवं न ही उन्होंने दिया। इसके विपरीत उन्होंने दिल्ली नगर निगम में 2500 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगा दिया। आम आदमी पार्टी द्वारा न केवल दिल्ली की सड़कों पर बड़े-बड़े पोस्टर, बैनर, होर्डिंग लगाकर भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम की तीनों इकाइयों द्वारा 2500 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया बल्कि दिल्ली विधानसभा में भी इस पर वक्तव्य जारी किया गया एवं पूरे घोटाले की सीबीआई जांच करवाने की मांग की गई। दोनों राजनीतिक पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप में उलझ गई हैं एवं इन्हीं के सहारे आगामी निगम चुनाव में सफलता प्राप्त करना चाहती हैं। फिलहाल पिछले 15 वर्षों से दिल्ली नगर निगमों पर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा है एवं पिछले 22 वर्षों वह दिल्ली सरकार से बाहर है। अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए उसके द्वारा हमेशा दिल्ली की सरकार पर बकाया नहीं चुकाने का आरोप लगाया जाता रहा है। हालत यह है कि वह अपने शिक्षकों, डाक्टरों एवं सफाई कर्मचारियों को वेतन तक देने की हालत में नहीं है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष जिस प्रकार तीनों निगमों के मेयर के साथ बैठकर संवाददाता सम्मेलन करके 13000 करोड़ रुपए के बकाए की मांग कर रहे हैं उसी प्रकार उनको तीनों नगर निगमों के मेयर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दिल्ली की जनता को बताना चाहिए कि दिल्ली नगर निगमों द्वारा पिछले 15 वर्षों में अपनी आमदनी बढ़ाने की दिशा में क्या प्रयास किया गया। क्या उसके द्वारा दिल्ली की सभी आवासीय कालोनियों के मकान मालिकों से संपत्ति कर की वसूली की जा सकी है? क्या उसके द्वारा ऐसी कोई जानकारी है कि किन लोगों द्वारा अपना संपत्ति कर आज तक एक पैसा भी नहीं जमा करवाया गया है? हालत यह है कि संपत्ति कर विभाग द्वारा उन्हीं मकान मालिकों को नोटिस जारी किया जाता है जिनके द्वारा अपना संपत्ति कर जमा करवाया जाता है। निगमों के पास आज तक ऐसा कोई आंकड़ा ही नहीं मौजूद है जिससे वह पता लगा सके कि किस संपत्ति से संपत्ति कर मिल रहा है एवं किस संपत्ति से संपत्ति कर नहीं मिल रहा है।

लगभग यही हाल दिल्ली में पार्किंग माफिया का है। दिल्ली में कहीं भी जाइए आपको सड़क पर आपकी गाड़ी पार्क करवाने वाले मिल जाएंगे एवं आपसे पार्किंग शुल्क भी वसूल कर लेंगे एवं एक छोटी सी पर्ची पकड़ा देंगे जिसका कोई हिसाब-किताब किसी के भी पास नहीं होता। इसके साथ ही दिल्ली नगर निगम द्वारा यदि अपने विज्ञापन साइटों की नीलामी सही से कर दी जाए एवं दिल्ली की दीवारों पर पोस्टर लगाकर गंदा करने वालों पर जुर्माना लगाने की व्यवस्था कर दी जाए तो उसकी कमाई इतनी हो जाएगी कि उसको दिल्ली सरकार से बकाया वसूलने के लिए मुख्यमंत्री के आवास पर धरना देने की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। दिल्ली नगर निगम के पिछले चुनाव में भी भाजपा के प्रति जनता में जबरदस्त नाराजगी थी। जिसे दूर करने के लिए उसने अपने सभी निगम पार्षदों के टिकट काट दिए एवं मोदी जी के नाम पर निगम का भी चुनाव लड़ा। मोदी जी की छवि एवं नए चेहरों का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला एवं वह अप्रत्याशित रूप से निगम का चुनाव भारी बहुमत से जीत गई एवं तीनों निगमों पर लगातार तीसरी बार अपना कब्जा जमा लिया। इस बार उसके पास नया करने के लिए कुछ भी नहीं है एवं उसके कार्यकर्ता इस बात को भी अच्छी तरह जानते हैं कि मोदी जी के नाम पर इस बार दिल्ली की जनता नगर निगम के चुनाव में भाजपा को अपना मत नहीं देने वाली। इसलिए यदि भाजपा वास्तव में दिल्ली सरकार से 13000 करोड़ रुपए बकाया वसूल करना चाहती है तो उसे चाहिए कि तमाम दस्तावेजों के साथ सर्वोच्च न्यायालय में दिल्ली सरकार से बकाया वसूल करने के लिए मुकदमा दर्ज कराए। न्यायालय ही इस बात का फैसला कर सकती है कि भाजपा द्वारा किए जा रहे दावे में कितनी सच्चाई है। इसके साथ ही अरविंद केजरीवाल को भी दिल्ली विधानसभा में प्रस्ताव पास कर सीबीआई जांच की मांग करने की बजाय सर्वोच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करते हुए 2500 करोड़ रुपए के घोटाले के साक्ष्य प्रस्तुत करने चाहिए, जिससे न्यायालय द्वारा उसकी सच्चाई को परखा जा सके। सच्चाई यही है कि न तो भाजपा के पास साक्ष्य है एवं न ही आप के पास कोई प्रमाण है। दोनों ही एक दूसरे पर आरोप लगाकर निगम चुनाव जीतना चाहती हैं। दोनों पार्टियों द्वारा यदि अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए न्यायालय का दरवाजा नहीं खटखटाया जाता तो जनता की अदालत में तो फैसला हो ही जाएगा। इसका फैसला करने में दिल्ली की जनता कभी भी गलती नहीं करेगी, क्योंकि समय एवं परिस्थिति के अनुरूप अपने सटीक फैसलों से वह नेताओं को बार-बार हैरान करती रही है।

E-Mail : akshaynns@gmail.com

भाजपा में ही संभव है सबका साथ सबका विकास :राजकुमार खुराना

नई दिल्ली। राजकुमार खुराना को भाजपा करोल बाग जिले का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर राजकुमार खुराना ने भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व व राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और जिला अध्यक्ष राजेश गोयल का आभार जताया है। राजकुमार खुराना ने कहा कि भाजपा ने संगठन के विस्तार में नए से लेकर पुराने तक को साथ लिया है। इस तरह से सबका साथ-सबका विकास भाजपा में ही संभव है। राजकुमार खुराना ने कहा कि पिछले 35 वर्षों की राजनीतिक अनुभव के सहारे वे पार्टी का प्रचार-प्रसार करेंगे। मेरी दिल्ली परिवार की तरफ से राजकुमार खुराना को करोलबाग जिले का उपाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई।

आपका बीपी लो रहता है तो खाने में जरूर खाएं ये चीजें

जिन लोगों को बीपी कम रहने की समस्य अक्सर परेशान करती है, उन्हें अपने भोजन में कुछ चुनिंदा फूड्स का उपयोग अवश्य करना चाहिए। डायटिशियन सृष्टि अरोरा लो ब्लड प्रेशर फूड की सलाह देती हैं जिन्हें आपको अपने आहार में अवश्य शामिल करना चाहिए। ब्लड प्रेशर यानी रक्त प्रवाह कम रहने की समस्या हममें से उन लोगों को बहुत तेजी से अपना शिकार बना रही है, जो फिजिकली कम ऐक्टिव रहते हैं और एक ही जगह बैठकर घंटों काम करते रहते हैं। इसके साथ ही अनियमित डायट लेते हैं और डायट में पूरे पोषण का ध्यान भी नहीं देते हैं। जो लोग इस तरह बेपरवाह जीवन जी रहे होते हैं, उन्हें अक्सर कमजोरी महसूस होने या थकान रहने की शिकायत रहती है। इस कमजोरी की एक खास वजह अक्सर ब्लड प्रेशर का कम होना भी होता है।

सृष्टि अरोरा, डायटीशियन

इन फूड्स को करें डायट में शामिल

-लो बीपी की समस्या से बचने के लिए आपको अपनी डेली डायट में उन फलों, सब्जियों और अनाज को शामिल करना चाहिए, जिनमें प्राकृतिक रूप से सोडियम की सीमित मात्रा उपलब्ध रहती है। यहां जानें, नैचरली ऐसे फूड्स के बारे में जिनसे आपके शरीर को सोडियम की प्राप्ति होती है...

ऑलिव्स का सेवन करें

-ऑलिव में प्राकृतिक रूप से सोडियम होता है। इस फैमिली के अन्य फल, सब्जियों का भी आप सेवन कर सकते हैं। जैसे, करौंदा, लसौड़ा, नाशपाती, अमरस इत्यादि। इसके साथ ही आप अपने भोजन को तैयार करने में ऑलिव ऑइल का उपयोग करें।

-भोजन में तरह-तरह के घर पर तैयार अचार, हरा धनिया, पुदीना और प्याज से तैयार चटनी, कॉटेज चीज, कैंन्ड सूप इत्यादि को अपनी डेली डायट का हिस्सा बनाने से आपको लाभ होगा।

सर्वोच्च संकेत को समझने की जरूरत

दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसानों को सड़क से हटाने की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए देश के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जो संकेत बृहस्पतिवार, 17 दिसंबर को जारी किए गए उसे देश की सरकार एवं किसान संगठनों दोनों को ही समझने की जरूरत है। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से सवाल किया कि क्या वह इस मामले की सुनवाई पूरी होने तक तीनों कृषि कानूनों पर अमल को रोक सकती है एवं दूसरी तरफ उसने किसान संगठनों से कहा कि आपको आंदोलन करने का पूरा अधिकार है लेकिन आप एक शहर में आने-जाने से लोगों को रोकने का काम नहीं कर सकते। सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों ने दावा किया कि दिल्ली आने-जाने वाले रास्तों को रोकने का काम उनके द्वारा नहीं किया गया है। वह दिल्ली की सड़कों पर बैठने के लिए मजबूर किए गए हैं। यदि केंद्र सरकार एवं दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें दिल्ली के रामलीला मैदान में धरना देने की अनुमति दी जाए तो वह आज भी सड़कों से उठकर रामलीला मैदान में जाने को तैयार हैं। इस स्थिति में सवाल यह उठता है कि केंद्र सरकार किसानों को रामलीला मैदान में बैठने की इजाजत क्यों नहीं देना चाहती। आज तक सभी चर्चित धरने-प्रदर्शन दिल्ली के रामलीला मैदान में होते रहे हैं तो किसानों को ऐसा करने से क्यों रोका जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई से कम से कम देश को इस सच्चाई को जानने का अवसर मिला है कि दिल्ली की ओर जाने वाले प्रमुख रास्तों को रोकने का काम किसानों ने नहीं बल्कि केंद्र सरकार एवं दिल्ली पुलिस द्वारा किया गया है। मीडिया द्वारा जनता में यह छवि बनाने की भी कोशिश की जा रही है कि सरकार तो किसानों की सारी मांगे मानने को तैयार है लेकिन किसान ही तीनों कानूनों को वापस लेने की जिद पर अड़े हुए हैं जिससे समस्या सुलझ नहीं रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार के सामने एक अवसर प्रदान किया है कि वह तीनों कानूनों पर अब तक अमल करने पर रोक लगाने की घोषणा करे जब तक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा इस मामले को सुलझाने का कोई फार्मूला विकसित नहीं कर लिया जाता। यदि सरकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है एवं किसान संगठन भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित समिति द्वारा फैसला किए जाने तक अपना आंदोलन स्थगित करने अथवा सरकार द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे उपयुक्त स्थान पर अपना धरना-प्रदर्शन स्थानांतरित कर देते हैं तो इस समस्या का समाधान निकलने का रास्ता मिल सकता है।

हालांकि किसान 6 महीने तक अपना धरना-प्रदर्शन जारी रखने की तैयारी के साथ दिल्ली पहुंचे हैं एवं उनके लिए खाली हाथ अपने घर वापस चले जाना संभव नहीं है। इसलिए केंद्र सरकार द्वारा उन्हें दिल्ली की सड़कों से उठकर रामलीला मैदान में बैठने की अनुमति दे देनी चाहिए। सरकार को विश्वास है कि उसके द्वारा जो कानून बनाए गए हैं उससे किसानों का भला होने वाला है एवं पूरे देश का किसान उसके कानूनों के समर्थन में है। दूसरी ओर पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों ने जिस प्रकार एकजुट होकर इस आंदोलन को अभी तक आगे बढ़ाया है उसे देखते हुए सरकार को यह मान लेना चाहिए कि उसके द्वारा बनाए गए कानूनों से किसानों के मन में जो आशंका उत्पन्न हुई है उसका समाधान करना अत्यंत आवश्यक है। सच्चाई यही है कि पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा देश के किसी भाग में किसानों का मजबूत संगठन ही नहीं है। उनमें एकता एवं आर्थिक ताकत ही नहीं है कि वह इस प्रकार का लंबा आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन कर सकें। इसीलिए सरकार ऐसी छवि बनाने का प्रयास कर रही है कि केवल हरियाणा, पंजाब एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश की मंडियों में सक्रिय लोगों द्वारा इस आंदोलन को प्रायोजित किया जा रहा है, क्योंकि नए कृषि कानूनों से सबसे ज्यादा नुकसान मंडियों में वर्षों से कब्जा जमाए बैठे कमीशन एजेंटों को होने वाला है। लेकिन सरकार द्वारा इस आंदोलन को समाप्त करने के लिए अपनाई गई यह रणनीति वैसे-वैसे कमजोर पड़ती चली जाएगी जैसे-जैसे यह आंदोलन आगे बढ़ता जाएगा। देर-सवेर देश के अन्य भागों से भी किसान इस आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए अपनी सहभागिता प्रदर्शित कर सकते हैं। यह आंदोलन जितना लंबा चलेगा सरकार की छवि को उतना ही नुकसान पहुंचाएगा। इसलिए मोदी जी को चाहिए कि वह सर्वोच्च न्यायालय के सुझाव को स्वीकार करते हुए कोई समाधान निकलने तक कृषि कानूनों के तहत किसी भी प्रकार की गतिविधि पर रोक लगाने की घोषणा करें। जिस प्रकार राम मंदिर निर्माण में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने उनकी मदद की उसी प्रकार इस संकट से निकलने में भी सर्वोच्च न्यायालय की पहल उनके लिए मददगार बन सकती है।

दिल्ली सेवा धाम के संस्थापकों एवं पैटर्न ट्रस्टी की प्रथम बैठक आयोजित

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला के दर्शनार्थ आने वाले राम भक्तों की सुविधा के लिए अयोध्या नगरी में भव्य धर्मशाला एवं बहुपयोगी विशाल भवन के निर्माण का संकल्प लेकर गठित संस्था दिल्ली सेवा धाम, अयोध्या के प्रकल्प को दानवीरों का इतना स्नेह विभिन्न पदों एवं ट्रस्टीगण के रूप में मिला है कि अल्प समय में ही दिल्ली सेवा धाम अब हजारों सदस्यों द्वारा विशाल परिवार का स्वरूप धारण कर अयोध्या में भूमि खरीदने के पश्चात अब भूमि पूजन कर निर्माण कार्य को आरंभ करने की ओर अग्रसर हो रहा है।

16 दिसंबर को संस्था की रीढ़ की हड्डी कहे जाने वाले संस्थापकों एवं पैटर्न ट्रस्टी की प्रथम बैठक वजीरपुर स्थित रॉयल पेपर (क्रिश) बैंक्केट हॉल में पूर्ण रूप से सामाजिक दूरी के समस्त नियमों का पालन करते हुए आयोजित की गई। बेहद गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुई इस बैठक से संस्था के संस्थापक एवं पैटर्न ट्रस्टियों ने अपनी स्नेहिल उपस्थिति के माध्यम से कार्यक्रम को शोभायमान किया।

बैठक में समस्त उपस्थित जन की सहमति से संस्था के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई। समस्तजन ने करतल ध्वनि से नवगठित कार्यकारिणी का अभिनंदन किए करते हुए भव्य धर्मशाला निर्माण में अपने पूर्ण सहयोग का संकल्प व्यक्त किया। संस्थापक चेयरमैन वरिष्ठ समाजसेवी ब्रह्मानंद गोयल को घोषित किया गया। जबकि संस्था के संस्थापक अध्यक्ष के दायित्व का जिम्मा युवा एवं उत्साही समाजसेवी सुनील सिंघल को दिया गया। महासचिव गजानंद मित्तल, कोषाध्यक्ष संदीप सिंघल होंगे। वहीं संस्था में संस्थापक वाईस चेयरमैन श्यामलाल गुप्ता, रामविलास गोयल, रविन्द्र कुमार गोयल, संस्थापक वरिष्ठ उपप्रधान बलदेव गोयल, आशीष अग्रवाल, पवन डालमिया, सांवरमल अग्रवाल, संस्थापक उपप्रधान अशोक गोयल, ब्रजमोहन जिंदल, पवन सिंघल, संस्थापक सचिव अभिनव अग्रवाल, रामविलास बंसल, सह सचिव आशीष गर्ग, पवन सिंघल, संजय गर्ग, सह कोषाध्यक्ष पवन गर्ग, दयाकिशन अग्रवाल एवं संस्थापक कानूनी सलाहकार चकित सिंघल सहित मीडिया पार्टनर प्रवक्ता एवं संस्था के लीगल एडवाइजर अपने-अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संस्थापक अध्यक्ष ने समस्त संस्थापकों पैटर्न ट्रस्ट एवं कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए दिल्ली सेवा धाम के गठन से लेकर वर्तमान तक की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आगामी योजना की जानकारी देते हुए सभी के सहयोग की कामना की।

संस्थापक कोषाध्यक्ष संदीप सिंघल ने उपस्थित जन के समक्ष आय व्यय का ब्यौरा के रखते हुए साधुवाद दिया।

संस्था के संस्थापक विधायक राजेश गुप्ता, संस्थापक महासचिव गजानंद मित्तल, चतुर्भुज अग्रवाल, श्रीमती अनीता मुकीम, हरिचंद्र अग्रवाल, त्रिलोकीनाथ गोयल, तिलक राज गुप्ता सहित अन्य वक्ताओं ने अपने-अपने उद्बोधन के माध्यम से दिल्ली सेवा धाम अयोध्या की समूची नव गठित टीम को बधाई देते हुए अपने-अपने पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए अयोध्या में बनने वाली दिल्ली सेवा धाम को प्रभु राम का आशीर्वाद बताते हुए इसे भव्य बनाने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी पवन सिंघल ने किया तथा संस्था के संस्थापक प्रवक्ता तुशांत गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण फोटोग्राफी संत स्टूडियो रोहिणी के मनोज शर्मा द्वारा की गयी।

मेरी दिल्ली सप्ताहांत
मेरी दिल्ली हाउस, 25/10
ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-26
आर.एन.आई. नं. : 49326/89
रजि. नं. : DL (W) 05/2065/18-2020
लाइसेंस नं. : U (W) - 8/2018-2020
संस्थापक : स्व. नेकी राम गुप्ता
प्रेरणास्त्रोत : स्व. केसर सिंह गुप्ता
संपादक : राजेश गुप्ता
वार्षिक शुल्क
साधारण डाक से : 200 रु.
विज्ञापन व प्रशासन
मो.-8447732401, 9899632000
इंटरनेट सर्विस: www.nnsmediagroup.com
ई-मेल : nnsonline@.nnsonline.com
स्वत्वाधिकारी एन.एन.एस. ऑनलाइन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक राजेश गुप्ता द्वारा 25/10, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110026 से प्रकाशित तथा विभा पब्लिकेशन प्रा.लि., डी-160 बी, सेक्टर-7, नोएडा से मुद्रित
लिखित अनुमति के बिना सम्पूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित।
नोट : 'मेरी दिल्ली' में प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा।
आवश्यक सलाह : विज्ञापन में किए गए दावों के संबंध में किसी निर्णय से पहले पाठक सभी तथ्यों की समुचित जांच स्वयं कर ले। किसी भी प्रकार के लेन-देन / दावे के लिए समाचारपत्र जिम्मेवार नहीं है।
सूचना- वस्तु उपयोग व स्वास्थ्य संबंधी जानकारी की प्रामाणिकता के लिए अपने स्वास्थ्य सलाहकार या डॉक्टर की सलाह पर ही अमल करें। 'मेरी दिल्ली' प्रबंधन इसके लिए उत्तरदायी नहीं है।

Ananda GHEE
Anand karo!
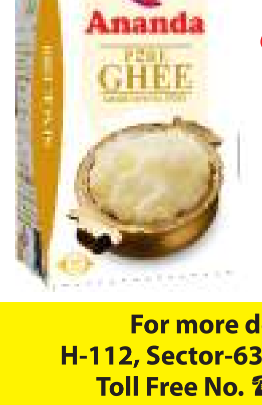

दाने दाने में आनंद
For more details contact :
H-112, Sector-63, Noida-201301, U.P.
Toll Free No. ☎ 1800-102-8397
customercare@ananda.in
www.ananda.in

मेरी दिल्ली हिन्दी दैनिक
की खबरें अपने मोबाईल पर पाने के लिए Like करें फेसबुक पर
www.facebook.com/meridelhinews

A COURIER with CARE a name of Trust
AGC
Akash Ganga®
Courier Limited
MORE THAN 3000 DESTINATION
Regd. Off. :
Opp. Railway Station, Loonkaransar, Distt. Bikaner (Raj.)
Corporate Office
1310-11-12, D.B. Gupta Road (Naiwala), Karol Bagh, New Delhi-05
Ph. : 011-28752881
E-mail : delhi@akashganga.info, Website : www.akashganga.info

ललित एण्ड पार्टी
★ भगवती जागरण
★ चौकी
★ भजन संध्या
★ लेडीज़ संगीत
★ संगीत कार्यक्रम

दूरभाष : 9899193399, 25218278, 25216338
304, पॉकेट-1, पश्चिम पुरी, शक्ति मार्किट रोड़, नई दिल्ली-63
MDW/04

10 वर्ष पहले न्यूट्राजन हेल्थकेयर के नाम से की शुरुआत आज है पाँच WHO GMP मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

मेहनत व ईमानदारी पर हमेशा करें भरोसा: वंशज गोयल

जब इंसान का जन्म होता है तब उसके साथ उसका लक्ष्य भी जन्म लेता है फर्क सिर्फ इतना सा है कि कुछ लोग इसे समझ नहीं पाते है और कुछ बचपन में ही समझ कर उसे पूरा करने के लिए जी-जान एक कर देते हैं ऐसे ही बचपन में देखे अपने एक सपने को साकार रूप दिया न्यूट्राजन ग्रुप के एम डी श्री वंशज गोयल ने। दिल्ली में जन्मे वंशज गोयल जी ने अपनी पढ़ाई - लिखाई दिल्ली के आर्यभट्ट इंस्टिट्यूट से इलेक्ट्रिकल इंजीनयर द्वारा पूरी करी। पढ़ाई करने के बाद उन्होंने पीछे मुड़कर फिर कभी नहीं देखा और आज व्यापर में अपनी मेहनत,लग्न व ईमानदारी के चलते वह चमकते सितारे के रूप में उभर रहे है। श्री वंशज गोयल का मानना है कि वर्तमान में ज्यादातर लोगों की खुशियाँ परिस्थितियों पर निर्भर करने लगी हैं। ऐसे लोग अनुकूल परिस्थिति में खुश एंव प्रतिकूल परिस्थियों में दुखी हो जाते है। उदाहरण के लिए अगर किसी व्यक्ति का कोई काम बन जाता है तो वह खुश एंव काम न बनने पर वह दुखी हो जाता है लेकिन हमे हर परिस्थिति में खुश रहना चाहिए क्योंकि प्रयास करना हमारे हाथ में है मगर परिणाम अथवा परिस्थिति हमारे हाथ में नहीं है। परिस्थिति अनुकूल या प्रतिकूल कैसी भी हो सकती है हमे उसका सामना करना चाहिए न कि उससे दूर भागना चाहिए।

जिंदगी के कुछ खट्टे-मीठे अनुभवों को श्री वंशज गोयल ने 'मेरी दिल्ली' संवाददाता के साथ साझा किया प्रस्तुत है उसी के कुछ खास अंश:-

दस साल की कड़ी मेहनत ने दिया फल

श्री वंशज गोयल ने केवल 25 वर्ष की उम्र में आज से ठीक 10 साल पहले न्यूट्राजन हैल्थकेयर के नाम से एक छोटी सी मार्केटिंग कंपनी से शुरुआत की। वह बचपन से ही व्यापार के क्षेत्र में अपने हाथ आजमा कर उसमे अपना नाम कमाना चाहते थे और वो कहते है न कि इरादे अगर नेक हो तो मंजिल खुद ब खुद आपके कदम चुम लेती है और कुछ ऐसा ही हुआ वंशज गोयल के साथ। उन्होंने हार्डवर्क और अपनी टीम के बलबूते आज अपनी कंपनी का बहुत बड़ा एम्पायर खड़ा कर लिया है न्यूट्राजन ग्रुप ने देश में ही नहीं बल्कि विदेशो में भी पकड़ मजबूत कर रखी है। इस ग्रुप के पास खुद के पाँच WHO GMP मैन्युफैक्चरिंग प्लांट है जिसमे यह आयुर्वेदिक, पौष्टिक - औषधीय पदार्थो एवं कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का निर्माण करते है और आगे भी यह ग्रुप कुंडली में अपना छठवा एलोपैथिक मेडिसिन प्लांट लगाने का मन बना चुका है जोकि एक साल के अंदर तैयार हो जाएगा।

आज मैं जो भी कुछ हूँ उसमे मेरी माँ का बहुत बड़ा योगदान है

माँ और बच्चे के रिश्ते का कोई मोल नहीं होता है, बच्चा जब जन्म लेता है तो सबसे पहले वह अपनी माँ को ही पहचानता है वंशज गोयल जी का कहना है कि वह अपनी माँ को अपना आदर्श मानते है क्योंकि बचपन से ही उनकी माँ श्रीमती ऊषा गोयल जी ने उन्हें न केवल बड़ा किया बल्कि वह उनका हमेशा मार्गदर्शन करती रही। वह बताते है कि पिता को महज दो साल की उम्र में खो देने पर माँ और उन्होंने अपनी विपरीत परिस्थितियों को अपने ऊपर कभी हावी होने नहीं दिया। वंशज गोयल जी ने बताया कि मैंने अपने पापा को तब खोया जब मैं ठीक से बोलना सिख रहा था उस समय हर बच्चे के पास माँ-बाप का रहना बेहद जरुरी होता है लेकिन पापा के जाने बाद भी मम्मी ने मुझे कभी भी उनकी कमी का एहसास होने नहीं दिया वो मेरे लिए हमेशा मेरे पापा का किरदार बखूबी निभाती रही है। आज मैं जो भी कुछ हूँ उसमे मेरी माँ का बहुत बड़ा योगदान है क्योंकि मैं अपने आपको बहुत भाग्यशाली मानता हूँ कि उन्होंने मुझे जन्म दिया वो जितनी हिम्मतवाली है उन्होंने मुझे भी वैसा ही बनाया। उन्होंने मुझे रोना नहीं हर परिस्थति में हसना सिखाया, हार कर जितना सिखाया। वह हमेशा मेरे साथ मेरी ढाल बनकर खड़ी रहती है। मेरा आज भी उनके साथ वैसा ही रिश्ता है जैसा बचपन में था।

बेटी को मानते है माँ लक्ष्मी का रूप

श्री वंशज गोयल 2010 में सौम्या गुप्ता जी के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। उनकी एक बेटी एनरिका गोयल और एक बेटा श्रोनिक गोयल है अक्सर कहा जाता है कि बेटिया माँ लक्ष्मी का रूप होती है ये बात वंशज गोयल जी के ऊपर पूरी सटीक बैठती है वह कहते है की एनरिका के जन्म के बाद ही उन्हें व्यापर में चहुंतरफा तरक्की मिलनी आरम्भ हुई और उन्होंने रोज नए मुकाम हासिल किए।

लॉकडाउन के समय स्टाफ का रखा पूरा ध्यान

वंशज गोयल जी का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से जो रोजमर्रा के काम से अपने घर का पेट पालते थे। आज उनके लिए एक वक्त की रोटी भी बहुत मुश्किल हो गई है। लॉकडाउन की वजह से देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हुआ है। कारखानों को बंद रखने के कारण भारी नुकसान वहन करना पड़ रहा है वहीं व्यापार भी पूरी तरह से ठप पड़ गए है। लोगों की नौकरियां चली गई हैं जिसकी वजह से बेरोजगारी की समस्या भी उत्पन्न हो गई है ऐसी स्थिति में भी हमने अपनी कंपनी के सभी स्टाफ को घर बैठे पूरी सैलरी दी और जो स्टाफ ऑफिस आ रहा था उसके लिए पूरी व्यस्था भी की ताकि उसे किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े ऐसे माहौल में भी हमारी कंपनी ने न केवल दिन रात काम किया बल्कि हैंड सेनिटाइजर, इम्यूनिटी बूस्टर और विटामिन-सी आदि कोरोना से बचने में कारगर मेडिसिन का निर्माण किया। इसके साथ ही हमने प्रधान-मंत्री राहत कोष में सहयोग राशि भी भेजी।

परिवार को दे समय

वंशज गोयल जी का मानना है कि एक बेहतर जीवन के लिए परिवार को समय देना भी उतना ही आवशयक है जितना व्यापर को। वह समय-समय पर स्विट्जलैंड, फ्रांस, एम्स्टर्डम, होंगकोंग, मकाओ, ऑस्ट्रिलया एवं मॉरिशइस इत्यादि न जाने कितनी जगहों पर परिवार के साथ भ्रमण के लिए जाते रहते है इतना ही नहीं उन्होंने अपने बेटे का पहला जन्मदिवस भी ऑस्ट्रेलिया में ही मनाया था। उनका मानना है कि हम जो भी काम करे कितना भी व्यस्त क्यों न हो लेकिन हमे हमेशा अपने परिवार को समय देना चाहिए क्योंकि एकमात्र फैमिली ही ऐसी होती है जो निःस्वार्थ भाव से हमेशा आप से प्यार करती है और आपका हर कदम पर साथ देती है।

सबको आत्मनिर्भर बनना चाहिए

वंशज गोयल का कहना है कि सबको आत्मनिर्भर बनना चाहिए। निर्भरता ही खुशियों की दुशमन है इसलिए जहाँ तक हो सके दूसरों से अपेक्षाएं कम करें अपना कार्य स्वंय करें एंव स्वालंबन अपनाए दूसरों के कर्मो या विचारों से दुखी नहीं होना चाहिए क्योंकि दूसरों के विचार या कर्म हमारे नियंत्रण में नहीं है। व्यवहारकुशल व्यक्ति जहाँ भी जाए वह वहां के वातावरण को खुशियों से भर देता है ऐसे लोगों को समाज सम्मान की दृष्टी से देखा जाता है ऐसे लोग नम्रता व मुस्कराहट के साथ व्यवहार करते है एंव हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते है। शिष्टाचार ही सबसे उत्तम सुन्दरता है जिसके बिना व्यक्ति केवल स्वयं तक सीमित हो जाता है एंव समाज उसे "स्वार्थी" नाम का अवार्ड भी देता है।

मनुष्य के रूप में जन्मे परमेश्वर यीशु

बाईबल भी दुनिया के सबसे प्राचीनतम धर्मग्रंथो में से एक है और पूरी बाईबल जिस पात्र के चरित्र और जीवन के बारे में लिखी गयी है वह महत्वपूर्ण पात्र जीसस है जिनको हिंदी में लोगों ने 'यीशु' के नाम से भी जाना है जिसका कि अर्थ होता है उद्धार कर्ता या उद्धार करने वाला और बाईबल के अनुसार वह परमेश्वर के पुत्र थे और परमेश्वर ने ही मनुष्य के रूप में पृथ्वी पर जन्म लिया जब धरती पर पाप बड़ गया ताकि वो उन सभी पापी लोगो के उनके पाप क्षमा के लिए बलिदान हो सके और मानवता परमेश्वर के प्रकोप से बच जाये यहां बलिदान होने का कुछ-कुछ मतलब हम उस तरीके से ले सकते है जैसे हिन्दू धर्म में एक देवी के लिए बकरा चढ़ाने की प्रथा है इसलिए कि उनका ऐसा मानना है कि हमारे पाप के बदले हम कुरबानी देते है और वो क्षमा हो जाते है और इसी वजह से कई बार बाईबल में भी यीशु को 'परमेश्वर का मेमना नाम से संबोधित किया गया है जन्म के बाद से पूरे तीस वर्षो तक एक आम जीवन जिया और शारीरिक और मानसिक तौर पर विकसित हुए तथा नगर के विभिन्न आराधना गृहों में जाकर पुस्तकों और साहित्य को पड़ा।

यीशु का जन्म

बाइबिल के अनुसार माता मरियम के गर्भ से ईसाई धर्म के ईश्वर ईसा मसीह का जन्म हुआ था। ईसा मसीह के जन्म से पूर्व माता मरियम कुंवारी थी। उनकी सगाई दाऊद के राजवंशी यूसुफ नामक व्यक्ति से हुई थी। एक दिन मरियम के पास स्वर्गदूत आए और उन्होंने कहा कि जल्द ही आपकी एक संतान होगी जो इस संसार को कष्टों से मुक्ति का रास्ता दिखलाएगी।

माता मरियम ने संकोचवश कहा कि मैं तो अभी अविवाहित हूं, ऐसे में यह कैसे संभव है। देवदूतों ने कहा कि यह सब एक चमत्कार के माध्यम से होगा। जल्द ही माता मरियम और यूसुफ की शादी हुई। शादी के बाद दोनों यहूदिया प्रांत के बेथलेहेम नामक जगह रहने लगे। यहीं पर एक रात अस्तबल में ईसा मसीह का जन्म हुआ। ईसा मसीह के जन्मोत्सव को ही लोग आज भी क्रिसमस के रूप में मनाते हैं।

मानव सेवा और परमेश्वर का सन्देश यीशु

यीशु ने मानव सेवा और परमेश्वर का सन्देश लोगो तक पहुंचाने का काम शुरू कर दिया और वो आगे के साढ़े तीन वर्षो तक ये करते रहे जब तक कि उनको सूली पर नहीं चड़ा दिया गया। लिखा गया है कि यीशु ने उन साड़े तीन वर्षो की अवधि में बहुत से चमत्कार किये उन्होंने बीमारों को प्रार्थनाओ के जरिये स्वस्थ किया और जिन लोगो में दुष्ट आत्माएं या यूं कहे बुरी आत्माएं होती तो वो भी उन्होंने लोगो को उनसे मुक्त किया और बाईबल में एक कहानी है जो लाजर नाम के एक व्यक्ति को फिर से जिन्दा कर देने के उनके चमत्कारिक कार्य का वर्णन करती है।

उन्होंने सेवा काल के दौरान कुल बारह चेले बनाये थे जिन्होंने उनके जाने के बाद उनके द्वारा सेवाकार्य को जारी रखा और उनकी शिक्षा को पूरी दुनिया में पहुंचाया लेकिन ये भी एक सच है कि अंत समय में उन्हीं के चेलो में से किसी एक ने उन्हें राजा के हाथ पकड़वा दिया और उन्हें देश के लोगो को भड़काने के इल्जाम में दोषी ठहराया गया बड़ी निर्ममता से सूली पर लटकाया गया और बाईबल कहती है मरने के तीन दिन बाद वो जी उठे थे और फिर वो कुछ दिन और चेलों के साथ रहे।

ईसाई धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य

ईसाई धर्म के संस्थापक हैं ईसा मसीह। ईसाई धर्म का प्रमुख ग्रंथ है- बाइबिल। ईसा मसीह का जन्म जेरूसलम के पास बैथलेहम में हुआ था। ईसा मसीह की माता का नाम मैरी और पिता का नाम जोसेफ था। ईसा मसीह ने अपने जीवन के 30 साल एक बढ़ई के रूप में बैथलेहम के पास नाजरेथ में बिताए। ईसाइयों में बहुत से समुदाय हैं मसलन कैथोलिक, प्रोटेस्टैंट, आर्थोडॉक्स, मॉरोनी, एवनजीलक।

25 दिसम्बर

क्रिसमस यानी 25 दिसंबर को ईसा मसीह के जन्मदिन के उपलक्ष में मनाया जाता है। ईसा मसीह के पहले दो शिष्य थे पीटर और एंड्रयू। ईसा मसीह को सूली पर रोमन गवर्नर पोंटियस ने चढ़ाया था। ईसा मसीह को 33 ई. में सूली पर चढ़ाया गया था। ईसाई धर्म का सबसे पवित्र चिह्न क्रॉस है ईसाई एकेश्वरवादी हैं, लेकिन वे ईश्वर को एक के रूप में समझते हैं- परमपिता परमेश्वर, उनके पुत्र ईसा मसीह और पवित्र आत्मा।

शांति का संदेश

क्रिसमस में यीशु के जन्म का सेलिब्रेशन के साथ-साथ दुनियां में शांति का संदेश भी देता हैं। यीशु शांति और सदाचार का प्रतीक माने जाते हैं इन दिनों उनके जीवन संबंधी कहानियां पड़ी एवं सुनाई जाती हैं जिससे मनुष्य में शांति, दया, सदाचार एवम प्यार का भाव उत्पन्न हो सके। इन दिनों में सभी अपने घर एवं आसपास के सभी स्थानों को साफ करते हैं उन्हें सजाते हैं। कई अच्छे-अच्छे व्यन्जन बनाते है। अपनों के लिए गिफ्ट्स लाते हैं कार्ड्स बनाते हैं और एक दुसरे से मिलकर उन्हें कार्ड्स, गिट्स एवं कई पकवान देते हैं। इन दिनों चर्च में प्रेयर की जाती हैं, मैडिटेशन करते हैं, साँग गाये जाते हैं कैंडल जलाकर सेलिब्रेशन किया जाता हैं। यीशु के जन्म का सेलिब्रेशन किया जाता हैं खासतौर पर चर्च में जश्न मनाया जाता हैं।

भारत में क्रिसमस को बड़ा दिन कहने के पीछे कई अलग-अलग मान्यताएं प्रचलित है कहा जाता है। पहले इसे रोमन उत्सव के रूप में मनाया जाता था इस दिन लोग एक दूसरे को ढेर सारे उपहार देते थे। जब धीरे-धीरे ईसाई सभ्यता पनपने लगी तब भारत में यह दिन मकर संक्रान्ति के रूप में मनाया जाने लगा।

इसके अलावा बड़े दिन के पीछे प्रभू ईसा के जन्म से जुड़ी कई कथाएं भी प्रचलित हैं। 25 दिसंबर यीशु मसीह के जन्म की कोई ज्ञात वास्तविक जन्म तिथि नहीं है। एन्नो डोमिनी काल प्रणाली के आधार पर यीशु का जन्म, 7 से 2 ई.पू. के बीच हुआ था भारत में इस तिथि को एक रोमन पर्व यामकर संक्रांति से संबंध स्थापित करने के आधार पर चुना गया है जिसकी वजह से इसे बड़े दिन के नाम से मनाया जाने लगा। वैसे तो पूरी दुनिया में इसे इसे 25 दिसंबर को मनाया जाता है मगर जर्मनी में 24 दिसंबर को ही इससे जुडे समारोह शुरू हो जाते हैं।

क्रिसमस पर आता है सांता क्लॉस

क्रिसमस के दिन संता क्लॉज का भी अपना अलग महत्व है, कहते हैं इस दिन सांता क्लॉज बच्चों के लिए ढेर सारे खिलौने और चॉकलेट लाते है। सांता क्लॉज को क्रिसमस का पिता भी कहा जाता है जो केवल क्रिसमस वाले दिन ही आते हैं।

क्रिसमस का एक और दिलचस्प पहलू यह है कि ईसा मसीह के जन्म की कहानी का संता क्लॉज की कहानी के साथ कोई संबंध नहीं है, कहते हैं तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप संत निकोलस के नाम पर सांता क्लॉज का चलन करीब चौथी सदी में शुरू हुआ वे गरीब और बेसहारा बच्चों को तोहफे दिया करते थे।

चाहे क्रिसमस कहें या फिर बड़ा दिन कुल मिलाकर इस दिन चारों ओर खुशियां ही खुशियां दिखाई देती है, लोग अपने घरों को सजाते है, गिरजाघरों में प्राथनाएं होती है। अब क्रिसमस को आने में कुछ ही दिन बचें है बाजारों में क्रिसमस गिफ्ट, कार्ड, प्रभु ईशु की चित्रकृतियां, सांता क्लॉज की टोपी, सजावटी सामग्री और केक मिलने भी शुरू हो गए है।

सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल, दिल्ली

दिल्ली का सेक्रेड हार्ट कैथेड्रल राजधानी क्षेत्र का सबसे पुराना चर्च है। कनॉटप्लेस में भाई वीर सिंह मार्ग पर यह रोमन कैथोलिक चर्च 14 एकड़ के क्षेत्र में फैला है।

फादर ल्यूक की कल्पना के अनुरूप पूजा के इस पवित्र स्थान का सुन्दर स्थापत्य कला इटली की है जिसका डिजाइन वास्तुकार हेनरी मेड ने बनाया था। चर्च के आन्तरिक हिस्से पॉलिश किये हुये तल, वक्र छत और सुन्दर बड़े मेहराबों के कारण बहुत खूबसूरत हैं।

हालांकि चर्च वर्ष भर विशेष अवसरों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है किन्तु ईस्टर और क्रिसमस त्यौहारों को यहां भव्यता से आयोजित किया जाता है।

साल भर विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी इस चर्च में किया जाता है। दिल्ली आने पर स्थापत्य कला के इस अनोखे स्वरूप को अवश्य देखना चाहिये।

आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जरूरी हैं ये 5 तरीके

अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें। हर व्यक्ति अपना एक कंफर्ट जोन बनाता है, जिसमें वह आराम से अपना काम करता रहता है। ऐसे व्यक्ति को अगर कोई नया काम सौंप दिया जाए तो वे घबरा जाते हैं और करने से मना कर देते हैं।

इसलिए हमेशा चुनौतियां को स्वीकार करना सीखें और आगे बढ़ें।

फैसले लेने में ज्यादा देर न करें

भाग-दौड़ भरी जिंदगी में अब सोचने समझने के लिए बहुत कम मौके मिलते हैं। इसलिए जल्द से जल्द सही फैसले लेने की क्षमता विकसित करें। जब आप गंभीर फैसले लेने लगेंगे तो वहीं से आप में आत्मविश्वास आना भी शुरू हो जाएगा

नकारात्मक सोच से बचें: नकारात्मक विचार हमेशा आपको आगे बढ़ने से रोकती है। इसलिए खुद में विश्वास करके चुनौती भरे कामों को भी किया जा सकता है।

खुद के बारे में सोचें

हर दिन अपने लिए ऐसा समय निकालें जिसमें आप खुद के बारे में सोचते हों। जैसे कि आप क्या पाना चाहते हैं? भविष्य के क्या प्लान हैं? अगर आपको नए मौके मिलेंगे तो उसके लिए तैयार हैं या नहीं।

ये कुछ ऐसी बाते हैं जो आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करेगी।

क्रिसमस एवं नए साल का जश्न मनाने के लिए बेस्ट है गोवा

अगर आप भी कहीं घूमने-फिरने का प्लान बना रहे हैं तो गोवा बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। क्रिसमस एवं नए साल में भारत में गोवा से बेहतर जश्न कहीं नहीं मनाया जाता।

यहां न्यू ईयर की पार्टी पूरी रात चलती है। रंगा-रंग प्रोग्राम और जश्न का जूनून इतना होता है कि लोग नए साल के लिए बुकिंग महीनों पहले ही करवाना शुरू कर देते हैं। गोवा का नाम लेते ही आंखों के सामने खूबसूरत बीच के खूबसूरत नजारे हमारे सामने आने लगते है लेकिन आपको बता दें कि बीच के अलावा नेचर में देखने वाला वहां पर और भी बहुत कुछ है।

महाडेई वाइल्ड लाइफ सेंचुरी

इसे टाइगर रिजर्व के रूप में भी जाना जाता है। वहीं रास्ते में होते हुए हिल स्टेशन अंबोली भी जाया जा सकता है। यह जगह सिर्फ दोस्तों के साथ ही नहीं बल्कि फैमिली के साथ समय बिताने के लिए भी एक बेस्ट जगह है

नॉर्थ गोवा

नार्थ गोवा की जगह खूबसूरत बीचों से भरी पड़ी है और यहां का सबसे खास बीच कालांगुट है। इसके अलावा केंडोलिन बाघा तथा वाघातुर बीच भी जाने-माने हैं, जहां रोज ही टूरिस्टों की अच्छा खासी भीड़ जमा रहती है। अगर आप भीड़ भड़के वाली जगह की बजाए किसी शांत जगह पर जाना चाहते हं तो अंजुना, चापोरा, मोरजिम होते हुए ऐश्वेम या आरम्बोल बीच जाया जा सकता है।

साउथ गोवा

साउथ गोवा का सफर करने के दौरान आप ओल्ड गोवा में बने पुराने चर्चों को देख सकते हैं। इसी के साथ यहां फेमस मंगेशी मंदिर और शांता दुर्गादेवी के दर्शन भी किए जा सकते हैं। इसी एरिया में मडगांव और वास्तु शहर भी आते हैं। यहां बसे कोलवा बीच अपनी रूपहली सफेद रेत के लिए जाना जाता है।

गाइड बनकर पाएं अच्छी कमाई और पर्यटकों का साथ

भारत में पर्यटन व्यवसाय में पिछले दो दशकों में भारी उभार आया है। टूरिस्ट गाइड एक तरफ जहां पर्यटकों का मार्गदर्शन करके उनकी मुश्किलों को आसान करते हैं, वहीं इसके एवज में अच्छी खासी कमाई भी करते हैं। लिहाजा सेवा के साथ रोजगार का यह एक बेहतर क्षेत्र है। किसी भी टूरिस्ट गाइड के लिए किसी भी इलाके की ज्यादा से ज्यादा जानकारी ही इसकी सफलता का मूलमंत्र है। इसके अलावा हिंदी और अंग्रेजी के ज्ञान के साथ-साथ उस राज्य की क्षेत्रीय भाषा में भी दक्षता जरूरी है। इसके अतिरिक्त विदेशी भाषाओं जैसे फ्रेंच, इटेलियन, जापानी आदि पर भी पकड़ हो तो सोने पे सुहागा साबित हो सकता है।

भाषा के अलावा उस राज्य के पर्यटन स्थलों और उसके इतिहास, आने-जाने वाली लाइट, बस सेवा और रेल सेवाओं के समय और दूसरी आवश्यक जानकारी हो तो इस क्षेत्र में उसके लिए अच्छी कमाई के अवसरों की भरमार होती है। गाइड बनने के लिए कई संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों में पर्यटन से संबंधित पाठ्यक्रम उपलब्ध है। जिसमें प्रवेश के लिए अलग-अलग मापदण्ड है। पाठ्यक्रम एवं डिप्लोमा कोर्स गाइड बनने के लिए अभ्यर्थी को बारहवीं और स्नातक उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम एंव डिप्लोमा कोर्स: मास्टर ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट यह स्नातक पाठ्यक्रम है। इनमें प्रवेश हेतु उम्र की सीमा निर्धारित नहीं है। लेकिन किसी भी संकाय में 50 प्रतिशत अंक से पास अभ्यर्थी ही प्रवेश ले सकते हैं।

जबकि दो वर्षीय एमटीए पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए भी अभ्यर्थी को 50 प्रतिशत अंक के साथ किसी संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके अलावा बेसिक कोर्स ऑन कम्प्यूटर एप्लीकेशन इन टूरिज्म एंड ट्रेवल इंडस्ट्री भी है। इस डिप्लोमा कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यटन के क्षेत्र में कम्प्यूटर की उपयोगिता विषय की संपूर्ण जानकारी दी जाती है। बेसिक कोर्स ऑन एअर ट्रेवर यह तीन माह का डिप्लोमा कोर्स है। इसके अंतर्गत हवाई यात्रा व्यवस्था एवं बजट से संबंधित जानकारी दी जाती है। सफलता पूर्वक कोर्स करने के बाद अभ्यर्थी को 4000 से लेकर 6000 रुपए तक आरंभिक वेतन की नौकरी मिल जाती है। अनुभव के बाद 8 से 10 हजार रुपए या इससे भी ज्यादा वेतन भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही विदेश भ्रमण के साथ-साथ विदेशी संस्कृति से भी रूबरू होने के अवसर प्राप्त होता है।

रत्न लहसुनिया

लहसुनिया को केतु ग्रह का रत्न माना जाता है। इसे वैदूर्य मणि, सूत्र मणि, केतु रत्न, कैट्स आई, विडालाक्ष के नाम से भी जाना जाता है। इस रत्न का रंग हल्का पीला होता है। यह रत्न दिखने में थोघ-सा बिल्ली की आंख जैसा भी प्रतीत होता है।

लहसुनिया के तथ्य

G मान्यता है कि लहसुनिया धारण करने से केतु ग्रह के बुरे प्रभाव खत्म हो जाते हैं। ज्योतिषी इस रत्न को बेहद अहम मानते हैं।

G माना जाता है कि गुणयुक्त लहसुनिया अपने स्वामी को परम सौभाग्य से संपन्न बनाती है और दोषयुक्त मणि अपने स्वामी को दोषों से संयुक्त कर देती है। इसलिए इसे पहनने से पूर्व इसकी परीक्षा अवश्य करनी चाहिए।

लहसुनिया के ज्योतिषीय फायदे

G माना जाता है कि लहसुनिया धारण करने से दुख-दरिद्रता समाप्त हो जाता है। यह रत्न भूत बाधा तथा काले जादू से दूर रखने में सहायक माना जाता है।

G ज्योतिषी मानते हैं कि लहसुनिया के धारण करने से रात में बुरे सपने परेशान नहीं करते हैं।

स्वास्थ्य में लहसुनिया का लाभ

G ज्योतिष शास्त्र के अनुसार लहसुनिया को धारण करने से शारीरिक दुर्बलता खत्म होती है और आंखों की रोशनी बड़ती है।

G माना जाता है कि यह रत्न दमे के रोगियों के लिए अत्याधिक लाभकारी होता है।

G कई रत्न ज्योतिषी श्वास नली में सूजन की परेशानी होने पर लहसुनिया धारण करने की सलाह देते हैं।

भगवान पर विश्वास रखने वालों के साथ ऐसे होते हैं चमत्कार

स्वामी विवेकानंद का सम्पूर्ण जीवन एक दीपक के समान है जो हमेशा अपने प्रकाश से इस संसार को जगमगाता रहेगा और उनका जीवन सदा हम लोगों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

एक बार स्वामी विवेकानंद ट्रेन से यात्रा कर रहे थे और हमेशा की तरह भगवा कपड़े और पगड़ी पहने हुए थे। ट्रेन में यात्रा कर रहे एक अन्य यात्री को उनका यह रूप बहुत अजीब लगा और वह स्वामी जी को कुछ अपशब्द कहते हुए बोलने लगा- तुम संन्यासी बनकर घूमते रहते हो कुछ कमाते-धमाते क्यों नहीं, तुम लोग बहुत आलसी हो। लेकिन स्वामी जी दयावान थे उन्होंने उसकी तरफ बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया और हमेशा की तरह चेहरे पे तेज लिए मुस्कुराते रहे।

उस समय स्वामी जी को बहुत भूख लगी हुई थी क्योंकि उन्होंने सुबह से कुछ खाया-पीया नहीं था। स्वामी जी हमेशा दूसरों के कल्याण के बारे में सोचते थे अपने खाने का उन्हें ध्यान ही कहां रहता था। एक तरफ स्वामी जी भूख से व्याकुल थे वहीं वह दूसरा यात्री उनको अपशब्द और बुरा-भला कहने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा था। इसी बीच स्टेशन आ गया और स्वामी जी और वह यात्री दोनों उतर गए।

उस यात्री ने अपने बैग से अपना खाना निकाला और खाने लगा और स्वामी जी से बोला- अगर कुछ कमाते तो तुम भी खा रहे होते। स्वामी जी बिना कुछ बोले चुपचाप थके-हारे एक पेड़ के नीचे बैठ गए और बोले मैं अपने ईश्वर पर विश्वास करता हूं जो वह चाहेंगे वही होगा। अचानक ही कहीं से एक आदमी खाना लिए हुए स्वामी जी के पास आया और बोला क्या आप ही स्वामी विवेकानंद हैं और इतना कहकर स्वामी जी के कदमों में गिर पड़ा और बोला कि मैंने एक सपना देखा था जिसमें खुद भगवान ने मुझसे कहा कि मेरा परम भक्त विवेकानंद भूखा है तुम जल्दी जाओ और उसे भोजन देकर आओ।

बस इतना सुनना था कि वह यात्री जो स्वामी जी की आलोचना कर रहा था भाग कर आया और स्वामी जी के कदमों में गिर पड़ा, बोला- महाराज मुझे क्षमा कर दीजिए मुझसे बहुत बड़ी भूल हुई है मैंने भगवान को देखा नहीं है लेकिन आज जो चमत्कार मैंने देखा उसने भगवान में मेरे विश्वास को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है। स्वामी जी ने दया भाव से व्यक्ति को उठाया और गले से लगा लिया।

बाथरूम न बने बीमारी का घर

अच्छा स्वास्थ्य अच्छे खान-पान और अच्छे आचार-विचार और पर्याप्त आराम पर निर्भर करता है, यह हम सब जानते हैं। हमारा बाथरूम भले ही साफ-सुथरा नजर आता हो और हम यह समझते हैं कि हम बाथरूम में सब कुछ ठीक रहे हैं, लेकिन जाने-अनजाने में हमसे यहां कुछ भूलें होती हैं और यह भूलें हमारे स्वास्थ्य को कब किस रूप में हानि पहुंचाती हैं, हमें पता भी नहीं चलता। कुछ सावधानियां अपनाकर हम अपने आपको सुरक्षित कर सकते हैं। शौच के बाद हाथ धोने के लिए हमेशा तरल साबुन, (लिक्विड सोप) का प्रयोग करें क्योंकि सुखा साबुन मल उत्सर्जित जीवाणुओं से दूषित हो सकता है।

बाथरूम की तरल फिनायल या सोडियम हापेक्लोराइड आधारित किसी रसायन से अच्छी तरह सफाई करें, ताकि जीवाणु और दुर्गंध समाप्त हो जाए। घर के सभी सदस्य एक ही तौलिया इस्तेमाल न करें तो ज्यादा ठीक रहेगा क्योंकि एक ही तौलिये के इस्तेमाल से (अगर किसी को आंख, नाक, मुंह या त्वचा की) बीमारियां हुई तो वे दूसरों को हस्तांतरित हो सकती हैं। सप्ताह में कम से कम एक बार तौलियों को पानी में उबालकर धोया जाना चाहिए साथ ही नहाने में इस्तेमाल होने वाले स्पंज को भी साफ सुथरा रखना चाहिए। टूथब्रश को सीधे प्रयोग न करके पानी से धोकर प्रयोग करें।

सप्ताह में एक बार खोलते पानी में कुछ देर अपना टूथब्रश रखें। बाथरूम के फर्श की सफाई सख्त ब्रश से करें, ताकि गंदगी ठीक से साफ हो सके। टॉयलेट के प्रयोग के बाद उसे ढंकना न भूले। टॉयलेट व बाथरूम में विद्युत बल्क का प्रकाश अवश्य करें।

टॉयलेट व बाथरूम में सप्ताह में कम से कम दो बार मच्छर अगरबत्ती का धुआं अवश्य करें, ताकि कीट-पतंगे इत्यादि नष्ट हो जाएं। जालों को भी साफ करते रहे। ध्यान रखें कि संक्रमक रोग हैजा, उल्टी, दस्त, आइफ्लू इत्यादि गंदगी जनित प्रदूषण से होते हैं, अत: सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

तिरछी नजर: घुन लगी व्यवस्था की लाचारी

इधर भाई साहब की प्ले में सरकारी आपूर्ति वाली दाल से कीड़ा और वह भी मरा हुआ क्या निकला कि वे दाल प्लेट में छोड़ सरकार के खिलाफ बीच सड़क में मोर्चा लगाकर बैठ गये। अब है कोई माई का लाल जो उन्हें बीच सड़क से उठाने की हिम्मत कर सके? मुहल्ले में ढिंढोरा पिटवा दिया कि उनकी सरकारी दाल में कीड़े हैं।

मैंने उन्हें समझाते कहा-दोस्त! क्यों बेचारी दाल को बदनाम करने पर तुले हो? कीड़े आज की डेट में कहां नहीं? जहां भी जरा-सी आंख ध्यान से खोलकर देखो, वहीं कीड़ों की लंबी लाइन मिलेगी सरसराती हुई। यहां साग में कीड़े हैं, दिमाग में कीड़े हैं। किस-किस का बहिष्कार करोगे मेरे दोस्त? गौर से देखो, ऑफिसों में फाइलों को कीड़े किस कदर ईमानदारी से चाट रहे हैं। वो देखो, जनता के बजट को कीड़े पर्दे के पीछे किस ईमानदारी से आपस में बांट रहे हैं। सच पूछो तो इस व्यवस्था को कीड़े ही हांक रहे हैं। इस देश की संपदा को कीड़े ही फांक रहे हैं। यहां जल में कीड़े हैं। हर दल में कीड़े हैं। और तो और, कीड़ें मारने की दवाई तक में की कीड़े हैं। इसलिए अपुन तो बस आंखें बंदकर जो मिल गया खा लेते हैं।

पेट में कौनों गड़बड़ लगे तो अजवाइन खा पचा लेते हैं। कौन पड़े इस पचड़े में कि फलानी चीज कीड़े-युक्त है कि कीड़े-मुक्त! पर दाल में तो मरा ही कीड़ा निकला है न? जिंदा तो नहीं? मेरे कीड़े जिंदा कीड़ों से खतरनाक साबित होते हैं। वे फूड प्वाइजनिंग का कारण बनते हैं, वे डायरिया का कारण बनते हैं, वे...उन्होंने कुतर्क- सा तर्क दिया तो मैंने उन्हें हिलाते कहा-पर दोस्त! बुरा मत मानना, मरे हुए कीड़ों से खतरनाक जिंदा कीड़े होते हैं।

जो कीड़े मर गए, वे कम से कम मर तो गए। सिस्टम को खाने में अब उनका कोई रोल तो न रहा। पर जिंदा कीड़े तो तब तक समाज का नुकसान करते रहते हैं जब तक भगवान उनको उठा नहीं लेता। रही बात सरकारी दाल में कीड़े की मौजूदगी की, अब दाल के पैकेट में कीड़े ही आ सकते हैं, सो आ गए। दाल के पैकेट में हाथी तो घुसने से रहा, तुम घुसा सकते हो तो घुसा कर दिखओ? अब इत्ता हो-हल्ला काहे? अब आ ही गए तो बेचारों को बाहर निकाल दो उठाकर। तुम्हारे हल्ले से कुछ नहीं होने वाला।

कीड़ों और सरकारी माल की दोस्ती युगों पुरानी है। दूसरे, यह भी तो हो सकता है कि यह विदेशी मंच के लोगों का प्रपंच हो। उन्होंने ही स्वदेशी दाल में कीड़े मार कर रख दिए हों? 'ऐसा भी हो सकता है क्या?

'प्रतिस्पर्धा के दौर में कुछ भी हो सकती है भाई साहब!'

ग़ज़ल

बे-खुदी में सब गंवाकर चल दिए।
जिस्म की अर्थी उठाकर चल दिए।

DDD

ये मकान अब घर नहीं लगता उसे,
रह लिए ताला लगाकर चल दिए।

DDD

मिट गए सब अल्पनाओं के निशां,
धूल चौखट की उठाकर चल दिए।

DDD

झुर्रियां जब सच बयां करने लगीं,
आइने से सच छुपाकर चल दिए।

DDD

साथ सूरज ने दिया था उम्र-भर,
अब अंधेरों को बसाकर चल दिए।

DDD

काम कुछ ऐसे कि शर्मिंदा हुए,
वक्त से नजरें चुराकर चल दिए।

हमारा स्वास्थ्य

तिल

तिल का उपयोग भोजन में सर्दी के मौसम में अधिक होता है। रंग भेद से तिल तीन प्रकार का होता है। लाल, काला और सफेद। औषधि के रूप में काले तिल का उपयोग अच्छा माना जाता है। रेवड़ी बनाने के लिए तिल तथा चीनी का उपयोग किया जाता है। भारत में तिल की खेती अधिक मात्रा में की जाती है। तिल की खेती स्वतंत्र रूप से या रुई, अरहर, बाजरा तथा मूंगफली आदि किसी भी फसल के साथ मिश्रित रूप में की जाती है। तिल उत्पादन के क्षेत्र में भारत का प्रमुख स्थान है।

प्रकृति

तिल की प्रकृति भारी तथा गर्म होती है। यह चिकना होता है। इस तेल में प्रोटीन आदि तत्व पाये जाते हैं। तिल के बीज में सिसेमोलिन, सिमेमिआ, लाइपेज, प्रधानता, ओतिक, निकोटिनिक एसिड, पामिटिक, लिनोलीक एसिड तथा थोड़ा-सी मात्रा में स्टियरिक और अरेकिडिक एसिड के ग्लिसराइड्स पाये जाते हैं।

हानि कारक

गर्भवती स्त्री को तिल नहीं खिलाना चाहिए क्योंकि गर्भ गिरने की आशंका होती है।

स्वाद

तिल का रस खाने में मीठा, कड़वा, कषैला और चरपरा होता है।

गुण

तिल कफ, पित्त को नष्ट करने वाला, शक्ति को बढ़ाने वाला, सिर के रोगों को ठीक करने वाला, दूध को बढ़ाने वाल, व्रण (जख्म), दांतों को ठीक करने वाला तथा मूत्र के प्रवाह को कम करने वाला होता है। यह पाचन शक्ति को बढ़ाने तथा वात को नष्ट करने में लाभकारी होता है। तिल अच्छा तथा वीर्य को बढ़ाने वाला होता है। विद्वानों के अनुसार सफेद तिल मध्यम गुण वाला और लाल तिल कम गुणशाली होता है। पुराना गुड़ मिलाकर सेवन करने से वीर्य की कमी दूर होती है तथा पेट में वायु बनने की शिकायत दूर होती है।

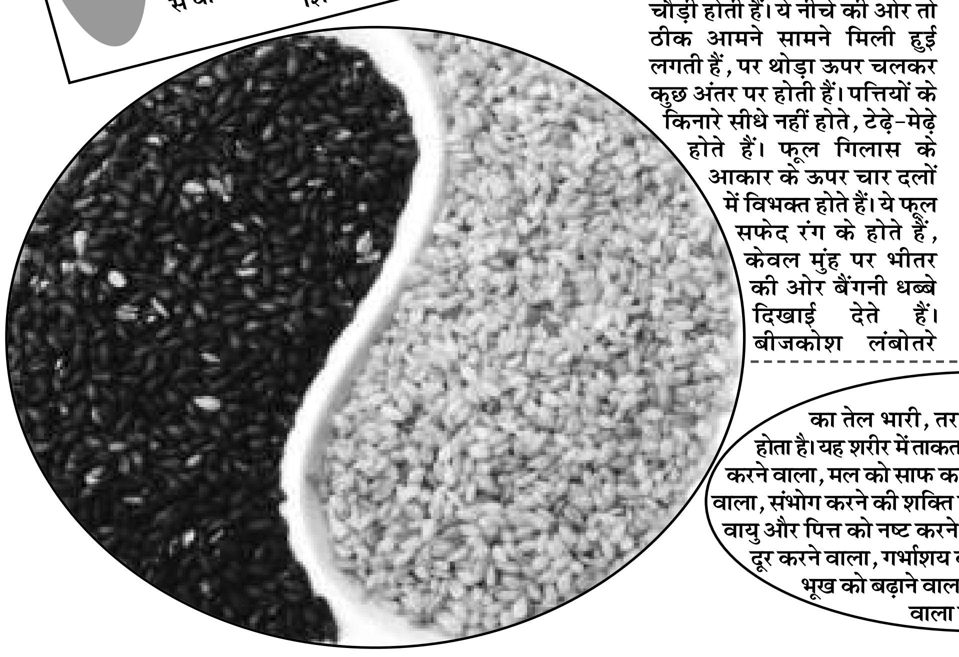

खेती

तिल वार्षिक तौर पर 40 से 100 से.मी तक बढ़ता है। फूल 3 से 4 से.मी. तथा सफेद से बैंगनी रंग के पाये जाते हैं। तिल के बीज अधिकतर सफेद रंग के होते हैं, हालांकि वे रंग में काले, पीले, नीले या बैंगनी रंग के भी हो सकते हैं। तिल प्रति वर्ष बोया जाने वाला लगभग एक मीटर ऊंचा एक पौधा है जिसकी खेती संसार के प्रायः सभी गरम देशों में तेल के लिये होती है।

इसकी पत्तियां आठ-दस अंगुल तक लंबी और तीन चार अंगुल चौड़ी होती हैं। ये नीचे की ओर तो ठीक आमने सामने मिली हुई लगती हैं, पर थोड़ा ऊपर चलकर कुछ अंतर पर होती हैं। पत्तियों के किनारे सीधे नहीं होते, टेढ़े-मेढ़े होते हैं। फूल गिलास के आकार के ऊपर चार दलों में विभक्त होते हैं। ये फूल सफेद रंग के होते हैं, केवल मुंह पर भीतर की ओर बैंगनी धब्बे दिखाई देते हैं। बीजकोश लंबोतरे होते हैं जिनमें तिल के बीज भरे रहते हैं। ये बीज चिपटे और लंबोतरे होते हैं।

भारत में तिल दो प्रकार का होता है-सफेद और काला। तिल की दो फसलें होती हैं-कुवारी और चौती। कुवारी फसल बरसात में ज्वार, बाजरे, धान आदि के साथ अधिकतर बोई जाती हैं। चौती फसल यदि कार्तिक में बोई जाये तो पूस-माघ तक तैयार हो जाती है। वनस्पति शास्त्रियों का अनुमान है कि तिल का आदिस्थान अफ्रीका महाद्वीप है।

वहां आठ-नौ जाति के जंगली तिल पाए जाते हैं पर 'तिल' शब्द का व्यवहार संस्कृत में प्राचीन है, यहां तक कि जब अन्य किसी बीज से तेल नहीं निकाला गया था, तब तिल से निकाला गया। इसी कारण उसका नाम ही 'तैल' -तिल से निकला हुआ पड़ गया। अथर्ववेद तक में तिल और धान द्वारा तर्पण का उल्लेख है।

आजकल भी पितरों के तर्पण में तिल का व्यवहार होता है। वैद्यक में तिल भारी, स्निग्ध, गरम, कफ-पित्त-कारक, बलवर्द्धक, केशों को हितकारी, स्तनों में दूध उत्पन्न करने वाला, मलरोधक और वातनाशक माना जाता है। तिल का तेल यदि कुछ अधिक पिया जाये तो रेचक होता है।

तेल

तिल का तेल भारी, तर तथा गर्म होता है। यह शरीर में ताकत की वृद्धि करने वाला, मल को साफ करने वाला, शरीर के रंग को निखारने वाला, संभोग करने की शक्ति को बढ़ाने वाला, तिल का तेल कफ, वायु और पित्त को नष्ट करने वाला, रक्तपित्त (खूनी पित्त) को दूर करने वाला, गर्भाशय को साफ और शुद्ध करने वाला, भूख को बढ़ाने वाला तथा बुद्धि को तेज करने वाला होता है।

तिल का तेल

यह जिन्जेल्ली तेल या तिल के तेल के रूप में भी जाना जाता है। तिल के बीजों से प्राप्त एक खाने योग्य वनस्पति तेल है। दक्षिण भारत में खाना पकाने के तेल के रूप में इस्तेमाल किये जाने के साथ ही इसका प्रयोग अक्सर चीनी, कोरियाई और कुछ हद तक दक्षिण पूर्व एशियाई भोजन में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। पोषक तत्वों से समृद्ध बीज से प्राप्त तेल वैकल्पिक चिकित्सा-पारंपरिक मालिश और आधुनिक मनपसंद उपचार में लोकप्रिय है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा प्रणालियों का मानना है कि तिल का तेल तनाव से संबंधित लक्षणों को शांत करता है और इस पर हो रहे अनुसंधान इंगित करते हैं कि तिल के तेल में मौजूद ऑक्सीकरण रोधक और बहु-असंतृप्त वसा रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। यह तेल एशिया क्षेत्र में लोकप्रिय है और सबसे पहले से ज्ञात फसल आधारित तेलों में से एक है लेकिन तेल निकालने के लिए हाथ से की जाने वाली अक्षम कटाई प्रक्रिया की वजह से इसका दुनिया भर में व्यापक सामूहिक उत्पादन आज तक सीमित है।

स्वरूप

तिल का 1 साल का पौधा कोमल तथा रोमवृत होता है। इसकी पत्तियों का ऊपरी भाग सरल, मालाकार और आयताकार होता है और इसके अगले भाग में रेखाएं होती है तथा मध्य भाग लटवाकार होता है।

पत्तों के किनारे दांतों के समान कई भागों में कटे-कटे होते हैं। तिल के फूल डेढ़ इंच तक लम्बे, बैंगनी, सफेद और पीले बिंदुओं से युक्त होते हैं। इसकी फली 2 इंच लम्बी, चतुष्कोणाकार तथा आगे का भाग कुंठित सा होता है।

घरेलू सुझाव

* कब्ज दूर करने के लिये तिल को बारीक पीस लें एवं प्रतिदिन पचास ग्राम तिल के चूर्ण को गुड़, शक्कर या मिश्री के साथ मिलाकर फांक लें।
* पाचन शक्ति बढ़ाने के लिये समान मात्रा में बादाम, मुनक्का, पीपल, नारियल की गिरी और मावा अच्छी तरह से मिला लें, फिर इस मिश्रण के बराबर तिल कूट पीसकर इसमें मिलाएं, स्वादानुसार मिश्री मिलाएं और सुबह-सुबह खाली पेट सेवन करें। इससे शरीर के बल, बुद्धि और स्फूर्ति में भी वृद्धि होती है।
* प्रतिदिन रात्रि में तिल को खूब चबाकर खाने से दांत मजबूत होते हैं।
* यदि कोई जख्म हो गया हो तो तिल को पानी में पीसकर जख्म पर बांध दें, इससे जख्म शीघ्रता से भर जाता है।
* तिल के लड्डू उन बच्चों को सुबह और शाम को जरूर खिलाने चाहिए जो रात में बिस्तर गीला कर देते हैं। तिल के नियमित सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है और रोग प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि होती है।
* पायरिया और दांत हिलने के कष्ट में तिल के तेल को मुंह में 10-15 मिनट तक रखें, फिर इसी से गरारे करें। इससे दांतों के दर्द में तत्काल राहत मिलती है। गर्म तिल के तेल में हींग मिलाकर भी यह प्रयोग किया जा सकता है।
* पानी में भिगोए हुए तिल को कढ़ाई में हल्का सा भून लें। इसे पानी या दूध के साथ मिक्सी में पीस लें। सादा या गुड़ मिलाकर पीने से रक्त की कमी दूर होती है।
* जोड़ों के दर्द के लिये एक चाय के चम्मच भर तिल बीजों को रातभर पानी के गिलास में भिगो दें। सुबह इसे पी लें या हर सुबह एक चम्मच तिल बीजों को आधा चम्मच सूखे अदरक के चूर्ण के साथ मिलाकर गर्म दूध के साथ पी लें। इससे जोड़ों का दर्द जाता रहेगा।
* तिल गुड़ के लड्डू खाने से मासिक धर्म से संबंधित कष्टों तथा दर्द में आराम मिलता है।
* भाप से पकाए तिल बीजों का पेस्ट दूध के साथ मिलाकर पुल्टिस की तरह लगाने से गठिया में आराम मिलता है।

cfel ky Qk;ns

सर्दियों में तिल खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। तिल तीन प्रकार के होते हैं- काले, सफेद और लाल। काले तिल सभी तिलों में श्रेष्ठ होते हैं।
तिल में प्रोटीन, कैल्शियम और बी कॉम्प्लेक्स बहुत पाया जाता है। तिल के सेवन से मानसिक दुर्बलता एवं तनाव दूर होता है। पचास ग्राम तिल प्रतिदिन खाने से कैल्शियम की आवश्यकता पूरी होती है।
प्रतिदिन दांत साफ करने के बाद एक बड़ा चम्मच तिल खाएं। दांत मजबूत होंगे।

K बाल असमय सफेद हो जाएं या झड़ते हों, तो रोजाना तिल का सेवन करें।
K प्रतिदिन दो चम्मच काले तिल चबाकर खाएं और ठंडा पानी पी लें। नियमित सेवन से पुराना बवासीर भी ठीक हो जाता है।
K तिल पीसकर शुद्ध घी और कपूर के साथ मिलाकर जले स्थान पर इसका लेप लगाएं।
K कब्ज होने पर पचास ग्राम तिल भूनकर, कूट कर मीठा मिला कर खाएं।
K तिल के तेल में लहसुन की तीन-चार कलियां भून कर उस तेल की बूंदे कान में डालें। कान का दर्द ठीक हो जाएगा।
K हींग और सोंठ डाल कर गर्म किए हुए तिल के तेल की मालिश करने से कमर का दर्द, जोड़ों का दर्द, किसी अंग का जकड़ जाना, लकवा आदि रोग मिटते हैं।
K तिल के तेल में थोड़ा सा सेंधा नमक मिला कर मुंह के छालों में लगाने से छाले ठीक हो जाते हैं।
K फटी हुई एड़ियों पर गर्म तिल के तेल में सेंधा नमक और मोम मिलाकर लगाने से फायदा होता है।
K तिल को पीस कर मक्खन के साथ मिला कर नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से रंग निखरता है और चेहरे के कील मुंहासे भी समाप्त होते हैं।
K किसी भी प्रकार की चोट में तिल के तेल का फाहा रख कर पट्टी बांधने से शीघ्र लाभ होता है।
K तिल में मोनो-सैचुरेटेड फैटी एसिड होता है जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करके गुड कोलेस्ट्रॉल यानि एच.डी.एल. को बढ़ाने में मदद करता है। यह हृदय रोग, दिल का दौरा और धमनी कलाकाठिन्य की संभावना को कम करता है।
K तिल में सेसमीन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने के साथ-साथ है और उसके जीवित रहने वाले रसायन के उत्पादन को भी रोकने में मदद करता है। यह फेफड़ों का कैंसर, पेट के कैंसर, ल्यूकेमिया, प्रोस्टेट कैंसर, स्तन कैंसर और अग्नाशय के कैंसर के प्रभाव को कम करने में बहुत मदद करता है।
K इसमें नियासिन नाम का विटामिन होता है जो तनाव और अवसाद को कम करने में मदद करता है।
K तिल में जरूरी मिनरल जैसे कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, जिंक, और सेलेनियम होता है जो हृदय की मांसपेशियों को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है और हृदय को नियमित अंतराल में धड़कने में मदद करता है।
K तिल में डायटरी प्रोटीन और एमिनो एसिड होता है जो बच्चों की हड्डियों के विकसित होने में और मजबूती प्रदान करने में मदद करता है। उदाहरणस्वरूप 100 ग्राम तिल में लगभग 18 ग्राम प्रोटीन होता है, जो बच्चों के विकास के लिए बहुत जरूरी होता है।
K तिल में फोलिक एसिड होता है जो गर्भवती महिला और भ्रूण के विकास और स्वस्थ रखने में मदद करता है।
K अध्ययन के अनुसार तिल के तेल से शिशुओं को मालिश करने पर उनकी मांसपेशियां सख्त होती हैं साथ ही उनका अच्छा विकास होता है। आयुर्वेद के अनुसार इस तेल से मालिश करने पर शिशु आराम से सोते हैं।
K तिल में जिंक और कैल्शियम होता है जो अस्थि-सुषिरता की संभावना को कम करने में मदद करता है।
K तिल का सेवन हेल्दी तरीके से करें। इसको अपने आहार में शामिल करने से पहले भून लें। किसी भी तरह के सलाद में इसको छिड़क कर खा सकते हैं या तिल के लड्डू, तिल की पूरी भी बनाकर खा सकते हैं। खाना बनाने में तिल के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक महत्व

तिल मिश्रित जल से स्नान, तिल के तेल द्वारा शरीर की मालिश, तिल से ही यज्ञ में आहुति, तिल मिश्रित जल का पान, तिल का भोजन इनके प्रयोग से मकर संक्रांति का पुण्य फल प्राप्त होता है और पाप नष्ट हो जाते हैं।
F इन सर्दियों में काले तिल लायें और साफ कर एक बोतल में भर कर रख लें। दिन में 2-7 बार सौंफ की तरह फांक लें क्योंकि ये बहुत लाभकारी हैं।
F आयुर्वेद में तिल को तीव्र असरकारक औषधि के रूप में जाना जाता है।
F काले और सफेद तिल के अतिरिक्त लाल तिल भी होता है। सभी के अलग-अलग गुण धर्म हैं।
F यदि पौष्टिकता की बात करें तो काले तिल शेष दोनों से अधिक लाभकारी हैं। सफेद तिल की पौष्टिकता काले तिल से कम होती है जबकि लाल तिल निम्न श्रेणी का तिल माना जाता है।
F तिल में चार रस होते हैं। इसमें गर्म, कसैला, मीठा और चरपरा स्वाद भी पाया जाता है।
F तिल हजम करने के लिहाज से भारी होता है। खाने में स्वादिष्ट और कफनाशक माना जाता है। यह बालों के लिए लाभप्रद माना गया है।
F दांतों की समस्या दूर करने के साथ ही यह श्वास संबंधी रोगों में भी लाभदायक है।
F स्तनपान कराने वाली माताओं में दूध की वृद्धि करता है।
F पेट की जलन कम करता है।
F बुद्धि को बढ़ाता है।
F बार-बार पेशाब करने की समस्या पर नियंत्रण पाने के लिए तिल का कोई सानी नहीं है।
F यह स्वभाव से गर्म होता है इसलिए इसे सर्दियों में मिठाई के रूप में खाया जाता है। गजक, रेवड़ियां और लड्डू शीत ऋतु में ऊष्मा प्रदान करते हैं।
F तिल में विटामिन ए और सी छोड़कर वे सभी आवश्यक पौष्टिक पदार्थ होते हैं जो अच्छे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं। तिल विटामिन बी और आवश्यक फैटी एसिड्स से भरपूर है।
F इसमें मीथोनाइन और ट्रायप्टोफन नामक दो बहुत महत्वपूर्ण एमिनो एसिड्स होते हैं जो चना, मूंगफली, राजमा, चौला और सोयाबीन जैसे अधिकांश शाकाहारी खाद्य पदार्थों में नहीं होते। ट्रायोप्टोफन को शांति प्रदान करने वाला तत्व भी कहा जाता है जो गहरी नींद लाने में सक्षम है। यही त्वचा और बालों को भी स्वस्थ रखता है। मीथोनाइन लीवर को दुरुस्त रखता है और कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित रखता है।
F तिल बीज स्वास्थ्यवर्द्धक वसा का बड़ा स्त्रोत हैं जो चयापचय को बढ़ाता है।
F यह कब्ज भी नहीं होने देता।
F तिल बीजों में उपस्थित पौष्टिक तत्व, जैसे-कैल्शियम और आयरन त्वचा को कांतिमय बनाए रखते हैं।
F तिल में न्यूनतम सैचुरेटेड फैट होते हैं इसलिए इससे बने खाद्य पदार्थ उच्च रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है।
F सौ ग्राम सफेद तिल से 1000 मि.ग्रा. कैल्शियम प्राप्त होता है। बादाम की अपेक्षा तिल में छः गुना से भी अधिक कैल्शियम है।
F काले और लाल तिल में लौह तत्वों की भरपूर मात्रा होती है जो रक्ताल्पता के इलाज में कारगर साबित होती है।
F तिल में उपस्थित लेसिथिन नामक रसायन कोलेस्ट्रॉल के बहाव को रक्त नलिकाओं में बनाए रखने में मददगार होता है।
F तिल के तेल में प्राकृतिक रूप में उपस्थित सिस्मोल एक ऐसा एंटी-ऑक्सीडेंट है जो इसे ऊंचे तापमान पर भी बहुत जल्दी खराब नहीं होने देता। आयुर्वेद चरक संहिता में इसे पकाने के लिए सबसे अच्छा तेल माना गया है।
F मकर संक्रांति के पर्व पर तिल का विशेष महत्व माना जाता है। इस दिन इसे दान देने की परम्परा भी प्रचलित है। इस दिन तिल के उबटन से स्नान करके ब्राह्मणों एवं गरीबों को तिल एवं तिल के लड्डू दान किये जाते हैं। यह मौसम शीत ऋतु का होता है, जिसमें तिल और गुड़ से बने लड्डू शरीर को गर्मी प्रदान करते हैं। प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि संक्रांति के दिन तिल का तेल लगाकर स्नान करना, तिल का उबटन लगाना, तिल की आहुति देना, पितरों को तिल युक्त जल का अर्पण करना, तिल का दान करना एवं तिल को स्वयं खाना, इन छह उपायों से मनुष्य वर्ष भर स्वस्थ, प्रसन्न एवं पाप रहित रहता है।
F तैल शब्द की व्युत्पत्ति तिल शब्द से ही हुई है। जो तिल से निकलता है वह है तैल। तिल का यह तेल अनेक प्रकार के सलादों में प्रयोग किया जाता है। तिल गुड़ का परांठा, तिल गुड़ और बाजरे से मिलाए गए ठेकुए उत्तर भारत में विशेष रूप से प्रचलित हैं। करी को गाढ़ा करने के लिये छिलका रहित तिल को पीसकर मसाले में भूनने की भी प्रथा अनेक देशों में है।
F अलीबाबा चालीस चोर की कहानी में सिमसिम शब्द का प्रयोग तिल के लिये ही किया गया है। यही सिमसिम यूरोप तक पहुंचते-पहुंचते बिगड़कर अंग्रेजी सिसेम हो गया।
F यज्ञादि हविष्य में तिल प्रधानता से प्रयुक्त किया जाता है जिसे सभी देवता प्रसन्नता के साथ ग्रहण करते हैं। मनुस्मृति में कहा गया है- त्रीणि श्राद्धे पवित्राणि दौहित्रः कुतपस्तिलाः। त्रीणि चात्र प्रशंसन्ति शौचमक्रोधमत्वराम्।। अर्थात् श्राद्ध कर्म में काले तिल तथा लक्ष्मी आराधना में सफेद तिल की हविष्य प्रयोग करने से शीघ्र लाभ होता है। घृत में तिल मिलाकर श्री यज्ञ करने से माता लक्ष्मी की अति शीघ्र कृपा होती है।
F जन्म दिवस के अवसर पर बालकों को गाय के घृत में आधा चम्मच काले तिल का सेवन कराना भावी कष्टों से निवारण का अचूक साधन है।
F व्यक्ति के हाथ से जितना तिल का दान किया जाता है उसका भविष्य उतना ही अच्छा बनता चला जाता है। प्रत्येक वैदिक कर्म में तिल की आवश्यकता होती है तथा इसके बिना कोई यज्ञ पूर्ण नहीं होता।
F तिल भगवान विष्णु को अति प्रिय हैं। इसलिये उनकी पूजा में तिल का प्रयोग किया जाता है।
F यह व्रत-पूजा में प्रयोग तथा खाने योग्य पदार्थ है।

सिट्रोनेला ऑयल

गंजनी, सांस रोग को ठीक करने वाला, वात को नष्ट करने वाला तथा उत्तेजक होता है। यह अफारा (पेट का फूलना) तथा आंतों का दर्द को ठीक करने वाला, पेशाब की मात्रा को बढ़ाने वाला और मोटापे को कम करने वाला तथा प्यास को दूर करने वाला होता है।

?kj dks ePNjeqDr j[kus esa fl VªkasykgS lkj;xj

डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां मच्छर के काटने से होती हैं। बीमारी फैलाने वाले मच्छरों को भगाने के लिए अधिकांश लोग केमिकल एजेंट्स का उपयोग करते हैं, जिनका उपयोग लगातार करने से कई बार लोगों को एलर्जी हो जाती है। इन केमिकल्स का उपयोग किए बिना सिट्रोनेला घास से मच्छरों को भगाया जा सकता है। इसकी खुश्बू से ही मच्छर सहित संक्रामक बीमारियां फैलाने वाले जीव-जंतु भाग जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सिट्रोनेला के रस का उपयोग इत्र, स्प्रे, साबुन, सौंदर्य प्रसाधन और दवाओं के निर्माण में किया जाता है।

आयुर्वेद विशेषज्ञों ने बताया कि तमाम कंपनियां सिट्रोनेला घास का तेल बाजार में बेचती हैं। इसके तेल को शरीर पर लगाने से मच्छर दूर भाग जाते हैं। साथ ही व्यक्ति पर इसका कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता। आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य के मुताबिक सिट्रोनेला तेल घास की पत्तियों और तने से निकाला जाता है। मच्छर भगाने के अलावा इस तेल का उपयोग बुखार, सामान्य संक्रमण और गठियावात के इलाज में होता है। विशेषज्ञों ने बताया कि मोमबत्ती को सिट्रोनेला के तेल में भिगोकर जलाने से मच्छर कमरे में नहीं ठहरते। कमरे में इसकी गंध फैलते ही बारिश के दौरान बल्ब जलाने पर इकट्ठे हुए कीड़े खुद ही भाग जाते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक बाजार में सिट्रोनेला का स्प्रे भी उपलब्ध है, जिसका उपयोग कर्नाटक, असम, ओडिशा, तमिलनाडु और महाराष्ट्र में लोग एयर फ्रेशनर के रूप में भी करते हैं।

सिट्रोनेला तेल दुनिया का पहला कारगर मॉस्किटो रेपलेंट है। इस तेल को दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाने वाली सिट्रोनेला घास से निकाला जाता है। सिट्रोनेला का इस्तेमाल दवा के रूप में सदियों से होता रहा है। 1901 में यह खोज लिया गया कि सुगंधित केश सज्जा के रूप में उपयोग किया जा रहा सिट्रोनेला मच्छरों को दूर भगा सकता है। इसके तेल का इस्तेमाल उन मोमबत्तियों और क्वायल में सक्रिय अवयव के रूप में किया जाता है, जिन्हें मच्छरों को भगाने के लिए धुआं पैदा करने की खातिर घर से बाहर जलाया जाता है। लोग अखबार सुबह और शाम को पढ़ते हैं, यही वह समय होता है जब मच्छर हमला करते हैं।

mi;ksx

D इससे प्राप्त तेल का उपयोग साबुन, इत्र, प्रसाधन सामग्री और भोजन स्वादिष्ट बनाने के लिए पूरी दुनिया में किया जाता है।
D यह पौधा बुखार, गाठियावात, मामूली सक्रंमण, पेट और मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के उपचार में उपयोगी है।
D इसके तेल का उपयोग कीट निरोधक के रूप में भी किया जाता है।
D अनिद्रा के उपचार में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

forj.k

सिट्रोनेला तेल एक महत्वपूर्ण तेल है जो कि जावा सिट्रोनेला की पत्तियों और तने से प्राप्त होता है इसके आयुर्वेदिक और औषधीय गुण ही जावा सिट्रोनेला को अत्याधिक उपयोगी पौधा बनाते हैं। भारत में इसकी खेती 1961 से प्रारंभ हुई और वाणिज्यिक फसल के रूप सीमांत क्षेत्र में अच्छी उत्पादकता के कारण इसका महत्वपूर्ण स्थान है। गर्भधारण के दौरान इसका उपयोग वर्जित है।

अमला एस्पायरिंग आर्ट एनजीओ द्वारा पंजाब नेशनल बैंक की सभी शाखाओं में होगा मानवता पात्र की स्थापना

द्वारका। अमला एस्पायरिंग आर्ट एनजीओ एवं पंजाब नेशनल बैंक के संयुक्त तत्वाधान में पंजाब नेशनल बैंक के केंद्रीय कार्यालय सेक्टर-10 द्वारका में मुख्य शाखा प्रबंधक जगमोहन जी व अमला एस्पायरिंग आर्ट एनजीओ के चौयरमेन गिरीश मित्तल व संस्थापक अध्यक्षा श्रीमती सुषमा गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में 'मानवता पात्र' को एक वर्ष पूरे होने पर खुशी जाहिर की गयी। मानवता पात्र के माध्यम से पुराने कपड़े, पुरानी किताबे व अन्य सम्मान एकत्रित कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगो के बीच मे बांटा जाता है। इस अभियान के तहत पीएनबी की सभी शाखाओ में इस मानवता पात्र की स्थापना की जाएगी जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग इस अभियान के साथ जुड़ सकें और जरूरतमन्द बीमार व विद्यार्थियों को उनकी जरूरत का सामान मिल सके।

अमला एस्पायरिंग आर्ट एनजीओ लगातार इस अभियान को पिछले कई साल से कर रही है। वह पुराने कपड़ो व किताबो को इकठ्ठा करके उन्हें पहनने लायक बनाते है एवं साइज के अनुसार उनको अलग-अलग करके उन्हें आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के बीच जाकर बांटती है। अमला एस्पायरिंग आर्ट एनजीओ भविष्य में दिल्ली व सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपने केन्द्र खोलने पर अपनी रणनीति तैयार कर रही है जिससे ज्यादा से ज्यादा आर्थिक रूप से कमजोर लोगो तक पहुंचा जा सकें। संस्था की अध्यक्षा श्रीमती सुषमा गर्ग ने देशभर में कई गांव का भ्रमण कर पाया है कि आज भी कई परिवार ऐसे है जिनके पास पहनने के लिए कपड़े भी नही है। उन्ही लोगो तक पहुचने व उनकी जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से इस पहल की शुरुआत की गई है।

निगम पार्षद श्रीमती वीना सब्बरवाल के नेतृत्व में केजरीवाल सरकार के खिलाफ धरना एवं उपवास

नई दिल्ली। वार्ड 18-एस मिलाप नगर की निगम पार्षद श्रीमती वीना सब्बरवाल के नेतृत्व में 17 दिसम्बर को प्रातः 9,30 बजे केजरीवाल सरकार के द्वारा एमसीडी के तेरह हजार करोड़ रुपये की बकाया राशि नहीं देने के विरोध में विशाल धरना एवं उपवास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पश्चिम जिला भाजपा के अध्यक्ष सचिन भसीन, प्रभारी सतेन्द्र सिंह, मिलाप नगर मंडल के पदाधिकारी, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा एवं मिलाप नगर के समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ कर इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

स्व. बलराज कुमार गोयल को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

पीतमपुरा। विख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति, लाल बाग का राजा ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेश गोयल के पिताजी श्री बलराज कुमार गोयल जी को समाज के लोगों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री बलराज कुमार गोयल जी का गत 29 नवम्बर को निधन हो गया था। रविवार, 13 दिसम्बर को जिंदल भवन, बीक्यू/1 ए, शालीमार बाग में श्रद्धांजलि सभा एवं रस्म पगड़ी हुई। जिसमें कोरोना संकट के बावजूद समाज, सगे-सम्बंधी सहित शुभचिंतकों ने उपस्थित होकर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि देकर शोक संतप्त परिवार को इस दुःख से निपटने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

श्री बलराज कुमार गोयल जी का संपूर्ण जीवन जरूरतमंद लोगों की सेवा व ईश्वर की भक्ति में बीता। धर्म एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उनकी अग्रणी भूमिका रहती थी। स्व. बलराज कुमार गोयल जी अपने पीछे पुत्र एवं पुत्रवधू रोशन-रंजना गोयल, विनोद-मीनू गोयल, नरेश-अंजू गोयल, विनय-सुकीर्ति गोयल, पौत्र एवं पौत्रवधू रमन-पायल गोयल, हरीश-निकिता गोयल, विवेक-शिखा गोयल, मनीष-कृति गोयल, अभय-सौम्या गोयल, पुत्री एवं दामाद सुनीता-इंद्रमोहन अग्रवाल, पौत्र राघव, गौरव, कपिल, पौत्री एवं दामाद ऋचा-विशाल गुप्ता, लगिमा-अभिषेक गुप्ता, पड़पौत्र गतिका, प्रथित, सक्षम, नवांश, हितार्थ, सुवीर, पड़पौत्री हितांशी का शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

काबू में है कोरोना संक्रमण का तीसरा दौर : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,133 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर 1.5 प्रतिशत से कम रह गई। उन्होंने कहा कि इससे लगता है कि शहर में महामारी का तीसरा दौर फिलहाल काबू में है। केजरीवाल ने ऑनलाइन ब्रीफिंग के दौरान कहा कि नवंबर में एक समय ऐसा था जब दिल्ली में नए मामलों की संख्या हर दिन करीब 8,600 तक पहुंच गई थी लेकिन तब भी चिंताजनक हालात नहीं थे। बिस्तर उपलब्ध थे। हम सभी ने मिलकर लड़ाई लड़ी। आज 1,133 नए मामले सामने आए हैं। आधिकारिक रिपोर्ट भी जल्द ही आ जाएगी।

दिल्ली में 11 नवंबर को संक्रमण के सबसे अधिक 8,593 मामले सामने आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में हालात तेजी से सुधरे हैं। नवंबर की शुरुआत में तो दिल्ली में संक्रमण दर 15.26 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो कम होते-होते 1.3 प्रतिशत रह गई है। केजरीवाल ने कहा कि इससे प्रतीत होता है कि हम सभी मिलकर दिल्ली में महामारी के तीसरे दौर को नियंत्रण में ले आए हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि नवंबर में ऐक्टिव केसों की संख्या करीब 45 हजार थी जो अब घटकर लगभग 12,000 रह गई है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में प्रतिदिन औसतन 90,000 जांचें की जा रही हैं। किसी ने हमें गलत तरीके से जांच की संख्या बढ़ाकर बताने की सलाह दी थी। मैंने कड़े आदेश जारी किए। मैं कह सकता हूं कि जांच के हमारे आंकड़े वास्तविक हैं।

सिद्ध शक्तिपीठ श्री बालाजी धाम त्रिनगर में नववर्ष एवं मकर संक्रांति कार्यक्रम 2 जनवरी को

त्रिनगर। सिद्ध शक्तिपीठ श्री बालाजी धाम त्रिनगर में नववर्ष एवं मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर मंदिर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए श्री बालाजी हनुमान मंदिर समिति ट्रस्ट (पंजी.) के प्रमुख महंत पीठाधीश्वर आध्यात्मिक गुरु श्री प्रमोद महाराज जी ने बताया कि हर साल नववर्ष पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, उसी कड़ी में इस बार शनिवार 2 जनवरी 2021 को 26 वां वार्षिक संकट मोचन महायज्ञ प्रातः 9 बजे से 12 बजे तक होगा। उससे पहले प्रातः 7 बजे बाल रूप के दर्शन एवं मंगल आरती होगी, वही संकटमोचन महायज्ञ के पश्चात दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। प्रमोद जी महाराज ने बताया कि हमारे ट्रस्ट का लक्ष्य नर सेवा-नारायण सेवा तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ है। यहां पर प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को शारीरिक, मानसिक एवं सांसारिक कष्टों का निवारण श्री बालाजी महाराज की प्रेरणा से होता है।

इस उम्र में भी महाशय जी की सक्रियता अपने आप में काबिले तारीफ है : विरेन्द्र गर्ग

नई दिल्ली। भारतीय मसाला उद्योग के जनक महाशय धर्मपाल गुलाटी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए महाराजा अग्रसेन हॉस्पीटल द्वारका के वरिष्ठ उपप्रधान एवं वरिष्ठ समाजसेवी विरेन्द्र गर्ग ने कहा कि जिस तरह से महाशय जी ने फर्श से अर्श तक का सफर तय किया वह अपने आप में काबिले तारीफ है। अत्यंत कठिन परिस्थितियों से निकलकर इतने विशाल साम्राज्य की स्थापना करना ही दर्शाता है कि महाशय धर्मपाल गुलाटी जी बेहद ही काबिल व्यक्ति थे। जिस प्रकार जीवन की विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए उन्होंने मसाला उद्योग को ना केवल एक नई दिशा दी बल्कि भारतीय मसालों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने में महाशय जी का योगदान उल्लेखनीय है। उनका पूरा जीवन किसी भी सामान्य आदमी के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन सकता है कि किस प्रकार एक सामान्य आदमी एक व्यवसाय के जनक की स्थिति में स्थिति में पहुंच सकता है। ना केवल उन्होंने उद्योग जगत में अपना एक विशेष मुकाम बनाया बल्कि समाज सेवा के क्षेत्र में भी एक विशिष्ट व्यक्ति बन कर उभरे। उम्र के इस पड़ाव में भी उनकी सक्रियता देखने लायक थी। आज तक भी अपने सभी विज्ञापनों में वह स्वयं नजर आते थे। जीवन भर जिस तरह की जीवन शैली को उन्होंने अपनाया वह सभी के लिए अनुकरणीय है। शाश्वत सत्य है कि इस संसार से सभी को जाना है परंतु जीवन को लोगों के लिए प्रेरणाप्रद बनाकर सभी के लिए एक उदाहरण बनकर अपनी जीवन यात्रा पूरी करने वाले विरले ही होते हैं। ऐसी ही कुछ अद्भुत शख्सियतों में से एक थे महाशय धर्मपाल गुलाटी जी, उनका निधन संपूर्ण देश के लिए एक बड़ी क्षति है।

केजरीवाल सरकार के झूठ और गैर जिम्मेदाराना रवैया के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी : सुनीता मिश्रा

मोती नगर। मोती नगर विधानसभा मे दिल्ली सरकार द्वारा एमसीडी के 13000 हजार करोड़ रुपए का फंड ना जारी करने के विरोध में निगम पार्षद सुनीता मिश्रा, पूर्व विधायक सुभाष सचदेवा, पूर्व निगम पार्षद भारत भूषण मैदान इत्यादि भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवान दास नगर गोल चक्कर पर एकत्र होकर विधायक शिव चरण गोयल के घर का घेराव कर विशाल धरना प्रदर्शन किया। इस अवसर पर निगम पार्षद सुनीता मिश्रा ने कहा कि केजरीवाल सरकार को जनविरोधी सरकार बता कर दिल्लीवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को ताक पर रखकर राजनीतिक द्वेष में निगम को बर्बाद करने पर अड़ी है भारतीय जनता पार्टी उनके इस नकारात्मक योजना को सफल नहीं होने देगी। दिल्ली में भाजपा दिल्ली वासियों के हित में कार्य करने के लिए कटिबद्ध है उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, पेंशन, शिक्षा, सड़क, स्वच्छता हो या विकास दिल्ली नगर निगम हर क्षेत्र में दिल्लीवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान हमेशा की है और आगे भी करती रहेगी। निगम का फंड रोककर केजरीवाल सरकार उन सुविधाओं से दिल्लीवासियों को वंचित नहीं कर सकती है जिनके दिल्लीवाले हकदार है। सुनीता मिश्रा ने भाजपा नेताओं एवम कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केजरीवाल सरकार और उनका पूरा मंत्रिमंडल इन दिनों दिल्ली वासियों को भ्रमित करने के लिए नए-नए पैंतरे आजमा रहे हैं । कभी मुख्यमंत्री केजरीवाल हाउस अरेस्ट की बाते करते हैं तो कभी उनके मंत्री बोर्ड लगाकर एवं पुरानी वीडियो वायरल कर भाजपा कार्यकर्ताओं को बदनाम करने की कोशिश करते हैं, उन्होंने कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता दिल्लीवासियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कटिबद्ध है निगम नेताओं को जान से मारने की धमकी देकर अपराधियों वाला काम तो आम आदमी पार्टी नेता कर रहे हैं उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के झूठ और गैर जिम्मेदाराना रवैया के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी ।

मेरी दिल्ली परिवार 2

संजना अग्रवाल | भूपेन्द्र कु. बंसल | रविन्द्र गुप्ता | विजय कु. बंसल | शिव राम | सुरेन्द्र कु. गोयल | रेणु गर्ग | मनोज कुमार | राकेश कुमार गुप्ता | नितिन लीला | जसविन्द्र सिंह | सतीश कुमार | संजय मंगला | तुलसी दास बंसल | दरवेश बंसल | सुरेन्द्र गुप्ता सिन्धु

मोहन लाल गोयल | जितेंद्र कुमार गुप्ता | अशोक कु. अग्रवाल | बलदेव राज गोयल | नरेंद्र सिंह किरारी | दलजीत सिंह पुरी | अमन मित्तल | संजीव जिन्दल | अमित गोयल | राजेश जैन | नरेश गोयल | प्रदीप कुमार जिन्दल | राम प्रसाद बंसल | महेश कुमार | नवीन अलाहवत | नरेश कुमार गुप्ता

वासुदेव गोयल | अशोक कु. गोयल | सौरभ गुलाटी | वेद प्रकाश गुप्ता | पवन कुमार कंसल | करन चितकारा | राजन गर्ग | मनोज गोयल | राजीव गर्ग | प्रमोद कु. गुप्ता | अनिल गोयल | सी. एल. गुप्ता | सुरेश अग्रवाल | हरीश कुमार सिंघल | गौतम जैन | बृजमोहन गुप्ता

दीपक जैन | गोपाल गोयल | अशोक कु. गुप्ता | विकास वोहरा | शेंकी गर्ग | राम लाल गोयल | सतबीर सिंह | सचिन अग्रवाल | अशोक सतरोदिया | शिवरतन गोयल | मामराज अग्रवाल | ओम प्रकाश गुप्ता | एस. के. सिंघल | सत्य नारायण मित्तल | अनिल गुप्ता | वर्षा गोयल

पुनीत कुमार | रानी | पवन सिंगला | वेद प्रकाश गुप्ता | राहुल सिंगला | कृष्णा कुमार बंसल | पंकज अग्रवाल | विपिन कु. गोयल | विनय मित्तल | सुनील कुमार | अजय गर्ग | देव प्रकाश शर्मा | रोहित गोयल | राज कमल सिंगला | राजकुमार | संजय सिंघला

राजेन्द्र पाल जिन्दल | सुशील गुप्ता | मनोज कु. मित्तल | मधु मोहन अग्रवाल | अरूण कुमार गुप्ता | सुरेन्द्र कु. गुप्ता | कृष्ण लाल अग्रवाल | वेद प्रकाश गोयल | सत नारायण गर्ग | टी. सी. गर्ग | मन्जुल गुप्ता | अशोक कु. अग्रवाल | राजेन्द्र प्रसाद | मुकेश कुमार जैन | प्रेम चन्द गोयल | रामानन्द बिन्दल

भगवान दास गर्ग | सुनील गुप्ता | अविनाश मंगला | अशोक कु. गोयल | महानद प्रसाद अग्रवाल | रवि घई | पवन कुमार | अशोक जैन | राम भगत सिंघल | शिव शंकर गोयल | सुरेश कुमार | प्रवीण गोयल | सुरेश कुमार गोयल | नवीन गोयल | महेश चन्द गुप्ता | सुरेश कुमार बंसल

नरेन्द्र गर्ग | विनय अरोड़ा | मुकेश चन्द्र गर्ग | सुशील कुमार गर्ग | सुरेन्द्र सिंह | रूपेश अग्रवाल | राज कुमार गुप्ता | गिरीश मित्तल | एस. सी. गुप्ता | गौरव साहनी | रोशन लाल सिंघल | बाल किशन आनन्द | एस. के. सिंघल | सुरेश गर्ग | मुकेश बंसल | धर्मपाल जैन

प्रतिपाल सिंह कालरा | रमेश बंसल | यशपाल गुप्ता | केवल गर्ग | मयन्क चौपड़ा | लक्ष्मण स्वरूप गोयल | ईश्वन्त बंसल | सुभाष गोयल | राकेश कु. गोयल | मनोज कु. मित्तल | दीपक सिंघल | मुकेश गर्ग | मनीष गुप्ता | सुमित गोयल | राम कु. गोयल | सुनील गुप्ता

सतपाल गुप्ता | आशीष गुप्ता | वेद प्रकाश गुप्ता | श्रीगोपाल गर्ग | सतीश कौशिक | पुनीत अग्रवाल | सुनील कु. अग्रवाल | देवेन्द्र कु. गोयल | अदित्य | हिमांशु गुप्ता | मुरारी लाल अग्रवाल | राजीव कु. अग्रवाल | अमन मित्तल | वेद प्रकाश गर्ग | विनोद बंसल | राकेश गुप्ता

अभिषेक गुप्ता | नीरज गुप्ता | हर्ष सभरवाल | आजाद मंगला | तरुण गोयल | विमल गर्ग | राहुल अग्रवाल | हनी मल्होत्रा | धर्मपाल गर्ग | मुकेश मित्तल | कृष्ण बलदेव बंसल | योगेश बंसल | राजेंद्र प्रसाद सिंगला | ललित कुमार | अमरीश सिंगल | कैलाश चंद गुप्ता

मुकेश कु. गुप्ता | प्रवीण गोयल | रमेश बंसल | मुकेश जैन | शुभम गोयल | दीपक गुप्ता | बाबूलाल गुप्ता | ओ.पी. गुप्ता | पराग गर्ग | सुमित गर्ग | हर्ष गोयल | रूपकिशोर माहेश्वरी | आशीष जैन | शंकर लाल अरोड़ा | अमरीक सिंह | अजय अग्रवाल

अशोक कुमार | गोविंद बंसल | जय कुमार सिंह | अनिल अग्रवाल | सुशील उप्पल | बी.एल. सिंघल | मलकीत सिंह पाहवा | गिरीश ठुकराल | अनिल कुमार | पवन कु. सिंगला | पुलकित गर्ग | गोविंद सिंघल | राजेश कुमार गुप्ता | मालिनी ललित बंसल | विनित नागपाल | रमेश अग्रवाल

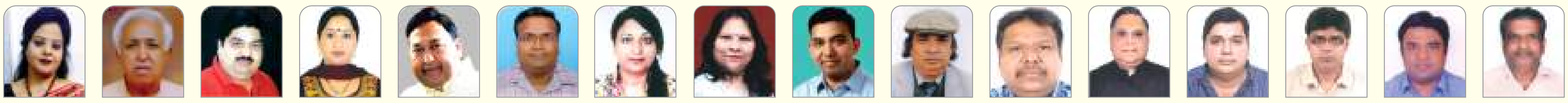

मंजु सिंघल | चंद्र मोहन खन्ना | अनिल कु. मोदी | रश्मी शुक्ला | नरेश अग्रवाल | ईश्वर बंसल | रजनी गुप्ता | मीनू बंसल | बी. एल. बंसल | जितेन्द्र कु. गुप्ता | अमित अग्रवाल | जे. के. जैन | सत्य गुप्ता | मुदित गुप्ता | सुमित गोयल | शिव कुमार गर्ग

संदीप मित्तल | अजय मित्तल | जयभगवान दयाल | त्रिलोक चंद गुप्ता | राजेश गर्ग | अनुज गुप्ता | बृजमोहन गुप्ता | मनीष जिन्दल | डॉ. सुमीत गोयल | मुकेश कु. गुप्ता | मुकेश कु. गोयल | अशोक मित्तल | अमनद्वीप गुप्ता | अरुण गुप्ता | सत्यपाल गुप्ता | मोहित गुप्ता

अजय कु. गुप्ता | मनोज सिंघल | आनन्द अग्रवाल | संजय गोयल | विरेंद्र गोयल | सी.ए. पूजा बंसल | जयंत सिंघल | संजय गोयल | आशीष गर्ग | मोहित बंसल | शुभम बंसल | देवेन्द्र अग्रवाल | दिनेश गोयल | रजनेश जैन

Date of Publication- : 20/12/2020
Posted at Delhi R.M.S. on- : 21/22/12/2020
Postal Regn. : DL (W) 05/2065/2018-2020 RNI No. 49326/89
Licence to Post Without Prepayment : U (W) - 08/2018-2020

नरेश गोयल के महामंत्री बनने के साथ ही सोसायटी में विवाद समाप्त होने की उम्मीद

सुरेंद्र कुमार सचदेवा
प्रधान

वेद जैन
उप-प्रधान

नरेश गोयल
महामंत्री

राजीव बहल
कोषाध्यक्ष

पंजाबीबाग। राजधानी के लोकप्रिय आवासीय सोसायटी में से एक पंजाबी बाग को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में पिछले डेढ़ वर्षों से चल रहा विवाद सुलझता नजर आ रहा है। सोसायटी के चुनाव जुलाई 2018 में संपन्न हुए थे जिसमें सुरेंद्र कुमार सचदेवा के नेतृत्व वाली टीम ने एकतरफा जीत हासिल की थी, किंतु चुनाव संपन्न होने के चंद महीनों बाद ही नवनिर्वाचित टीम दो गुटों में बंट गई। सोसायटी में दो महामंत्री एवं दो कोषाध्यक्ष एक साथ काम करने लगे। एक गुट ने सोसायटी के कार्यालय पर कब्जा जमा लिया तो दूसरे गुट के हाथ में सोसायटी के खाते पर नियंत्रण था। यह विवाद सोसायटी रजिस्ट्रार कार्यालय में भी पहुंचा लेकिन वहां से भी कोई रास्ता नहीं निकल सका एवं दोनों गुटों के बीच विवाद होने के कारण सोसायटी का कामकाज बुरी तरह प्रभावित होने लगा।

पिछले दिनों सोसायटी के महामंत्री का दायित्व वहन कर रहे स. कंवलजीत सिंह के असामयिक निधन के बाद सोसायटी का कामकाज चलाने में और भी कठिनाई आने लगी। जिसके बाद दोनों गुटों ने आपसी संवाद के बाद मुद्दे को सुलझाने का काम किया। सर्वसम्मति से नरेश गोयल को महामंत्री मनोनीत कर लिया गया। जिससे उम्मीद की जा रही है कि अब दोनों गुट मिल-बैठकर सोसायटी का संचालन सहयोग एवं सामंजस्यपूर्ण तरीके से करेंगे एवं सोसायटी के सदस्यों को अपना काम करवाने में अब परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। विशेष रूप से सोसायटी के सामने पंजाबी बाग में सुरक्षा का प्रश्न बहुत बड़ा है। चारो ओर से प्रवेश एवं निकास के रास्ते खुले होने के कारण यहां आए दिन छिनैती एवं चोरी की घटनाएं होती रहती हैं। पिछले चुनाव में दोनों ही टीमों द्वारा सोसायटी सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कैमरे लगाने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उस दिशा में अभी तक कुछ नहीं किया जा सका। सोसायटी के सदस्यों को उम्मीद है कि विवाद सुलझने के बाद अब सोसायटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सुरक्षा एवं प्रदूषण के मुद्दे पर कुछ और कदम उठाए जाएंगे।

किसान आंदोलन में अर्पिता बंसल निभा रही हैं सक्रिय भूमिका

किसानों की मांगे न मानी तो सरकार का तख्तापलट ही समझो : अर्पिता बंसल

नई दिल्ली। सुप्रसिद्ध अभिनेत्री, सिंगर, एक्टर, ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट, लेखिका वैदिक एस्ट्रोलॉजर्स एवं फेस रीडर अर्पिता बंसल महिला विरोधी हिंसा एवं बाल तस्करी आदि के खिलाफ लड़ाई लड़ने के साथ ही जनहित से जुड़े मुद्दों पर आंदोलनो में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाती रही हैं। कृषि कानूनों के विरोध में पिछले 25 दिनों से जारी किसान आंदोलन में भी अर्पिता बंसल पूरी सक्रियता के साथ जुटी हुई हैं। जब से पंजाब के किसान हरियाणा दिल्ली के सिंधू बॉर्डर पर धरने पर बैठे हैं तब से वह किसानों की मांग का पुरजोर समर्थन करते हुए उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। वे प्रतिदिन प्रातः 8 बजे अपने घर से निकल कर उनके बीच पहुंचती हैं और उनके लिए निरंतर भोजन-पानी की व्यवस्था के साथ ही उनके लिए बिस्तर का भी प्रबंध करती हैं। जिससे किसान अपनी सभी जायज मांगों के लिए पूरी शिद्दत से लड़ सकें। अर्पिता बंसल रोजना अपने वॉलंटियर्स के साथ दिनभर आंदोलनकारियों की मदद में जुटी रहती हैं। अर्पिता बंसल बताती है कि उनका जन्म पंजाब में हुआ और ननकाना सहित उनका पूरा परिवार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ है। इतनी भीषण ठंड के बावजूद देश का अन्नदाता पिछले 25 दिनों से अपना घर-बार छोड़कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने को विवश है। इसे देखकर उनका मन काफी दुखी है। ऐसे कठिन समय में वे रोज किसानों की सेवा का सौभाग्य प्राप्त कर रही हैं। इससे उनके मन को काफी तसल्ली मिलती है। वाहे गुरु की कृपा से धरना स्थल पर विशाल लंगर, खाने-पीने एवं दवाईयों आदि की पर्याप्त एवं बेहतर व्यवस्था है। वहां पर किसी चीज की कोई कमी नहीं है। ऐसा लगता है जैसे इस धरती पर वाहेगुरु (ईश्वर) प्रकट होकर अपना आशीर्वाद दें रहे हैं। अर्पिता बंसल ने कहा कि किसान पूरे विश्व के अन्नदाता हैं। सरकार का किसानों की अनदेखी करना और उनकी जायज मांगों को न मानना सरासर गलत है। आज दिल्ली के बॉर्डर पर बैठे सिख किसान कड़ाके की सर्दी के बावजूद अपने हितों और मांगों को मनवाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। इतने दिन बीत जाने के बावजूद अभी तक सरकार कान में तेल डाल कर बैठी है और किसानों की समस्याओं व मांगों का कोई सकारात्मक हल नहीं निकाल पाई है। अर्पिता बंसल का कहना है कि इस धरने पर बैठे पंजाब सहित पूरे देश के किसान आंदोलन को उनका पूर्ण समर्थन है और वह सरकार द्वारा बनाए गए किसान विरोधी बिल का पुरजोर विरोध करते हुए किसान आंदोलन के साथ हैं। आंधी, बारिश, तूफान, धूप, सर्दी की परवाह किए बिना देश के अन्नदाता किसान हमारे देश के लिए फल, सब्जी, दालें एवं सभी प्रकार के अन्न उगाने का कार्य करते हैं। जिसके चलते हमारा देश कृषि प्रधान देश बनता है। जिसके चलते हमारी अर्थव्यवस्था का 70 प्रतिशत से ज्यादा राजस्व कृषि से आता है। उसके बावजूद हमारी सरकार किसानों की अनदेखी करे यह सरासर अन्याय है। इसका विरोध मैं ही नहीं संपूर्ण देश करता है। सरकार को किसानों की मांगों को तुरंत मानते हुए उन्हे राहत देनी चाहिए, अन्यथा हमारे किसानों का आंदोलन जोर पकड़ा तो केंद्र सरकार का तख्ता पलट की समझो। जब भी दुनिया में सरकारें उखड़ी हैं किसानों की अनदेखी की वजह से ही उखडी हैं। यदि सरकार ने किसानों की मांगों को अविलंब न माना तो मोदी सरकार का तख्तापलट ही समझो।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग में संत कबीर के सिद्धांतों पर आधारित फिलोक्वेंस 2020 का आयोजन

पंजाबी बाग। गुरु नानक पब्लिक स्कूल पंजाबी बाग में ऑनलाइन इंग्लिश डिक्लेमेशन कंपटीशन का सफल आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली के अलावा अन्य प्रांतों से भी स्कूलों के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। स्कूल की पहचान बन चुकी यह इंटर स्कूल प्रतियोगिता प्रिंसिपल श्रीमती रीमा पुंज की सोच का प्रतीक है जिसे उन्होंने बच्चों में नए-नए विषयों पर, जो उनको जीवन के प्रति एक नई सोच के लिए अग्रसर कर सके व उसमें अपनी भागीदारी दे सके, के मद्देनजर सन 2018 में शुरू किया था। इस वर्ष संत कबीर को सम्मुख रखते हुए डिक्लेमेशन का टॉपिक था- रिलिजन इज एबव रिचुअलिज्म। लगभग 3 घंटे चली इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में दिल्ली एवं दूसरे प्रदेशों से 50 स्कूलों के बच्चों ने अपने विचार रखे। इस प्रतियोगिता के जज श्रीमती परमजीत कौर (भूतपूर्व डायरेक्टर ऑफ एजुकेशन), सरदार तेजिंदर पाल सिंह (इमीग्रेशन लॉयर एवं समाजसेवी), कुमारी अनिता सिंह (डब्ल्यूएचओ से संबंधित समाजसेविका) ने बच्चों के विचारों एवं उनके हौसले को सराहा।

प्रत्येक प्रतियोगिता का स्तम्भ उसका विषय होता है और रिलिजन इज एबव रिचुअलिज्म आज की युवा पीढ़ी से सीधा ताल्लुक रखता है। इस प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल दिल्ली कैंट की अंकिता दास को पहला स्थान, एसडी पब्लिक स्कूल ईस्ट पंजाबी बाग के यशराज सिंह और सेंट जॉन्स हाई स्कूल चंडीगढ़ के ताज शर्मा को द्वितीय स्थान एवं डीपीएस मथुरा रोड के शौर्य और मानव स्थली स्कूल के गुर रौनक सिंह को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को फर्स्ट, सेकंड एवं थर्ड पोजिशन की ट्रॉफी, सर्टिफिकेट एवं गिफ्ट दिए गए। सभी पार्टिसिपेंट्स को भी पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट, लेटर ऑफ एप्रेशिएशन एवं स्कूल की कॉफी टेबल बुक दी गई। स्कूल प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन स. गुरिंदर पाल सिंह राजू, मैनेजर स. कुलदीप सिंह लायलपुरी, फाइनेंस सेक्रेटी स. गुरविंदर सिंह सभरवाल ने भी पूरा प्रोग्राम देखा और सराहा। स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती रीमा पुंज एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर को सराहते हुए उन्होंने कहा कि आज देश एक नाजुक दौर से गुजर रहा है, इसमें अध्यापिका एवं विद्यार्थियों द्वारा किया गया यह कार्य सराहनीय है। इससे ज्ञात होता है कि स्कूल की गतिविधियों व बच्चों का मानसिक विकास किसी भी प्रकार की महामारी से रुक नहीं सकता। स्कूल व बच्चों का यह ऑनलाइन कार्यक्रम चाहे तो क्लासेज हो या फिर लिटरेरी या कल्चरल प्रोग्राम्स हमारी जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है और इसे हमें ऐसे ही कर्मठता से करते जाना है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद् के चुनाव में मेरठ एवं सहारनपुर मंडल स्नातक सीट से निर्वाचित भाजपा के दिनेश गोयल शपथ ग्रहण करते हुए। साथ में हैं मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ, संसदीय कार्य मंत्री, प्रदेश के मुख्य सचिव एवं अन्य अधिकारीगण।

नवनिर्वाचित एमएलसी दिनेश गोयल का अभिनन्दन

बागपत। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संरक्षक एवं वरिष्ठ वैश्य नेता व भाजपा के मेरठ एवं सहारनपुर मंडल स्नातक सीट से भारी मतों से विजयी हुए दिनेश गोयल का कस्बा अग्रवाल मंडी टटीरी के वैश्य समाज के लोगों ने अभिनंदन किया। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता के नेतृत्व में वैश्य समाज के लोग उनके गाजियाबाद स्थित आवास पर पहुंचे और उनका पटका पहनाकर एवं सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर अभिमन्य गुप्ता ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि दिनेश गोयल एमएलसी के रूप में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे, ऐसी हम सबकी कामना है। उन्होंने इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व सुनील बंसल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता एवं प्रांतीय मंत्री दीपक गोयल ने भी उन्हें बधाई दी। एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि वह समाज की सेवा करने में कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। तन-मन व धन से सर्व समाज की सेवा की जाएगी।

चांदनी चौक में व्यापारियों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रसिद्ध व्यापारिक क्षेत्र चांदनी चौक में कंन्फैडरैशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स तथा दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन चांदनी चौक मध्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शहरी विकास मंत्री हरदेवपुरी जी को सौपै जाने वाले ज्ञापन पर व्यापारियों के हस्ताक्षर करवाए गए। लगभग उन्नीस सौ व्यापारियों ने कैंप में आकर हस्ताक्षर किए। 64 कटरा कमेटियों के प्रधान वह अन्य पदाधिकारियों ने यह जिम्मेवारी ली कि वह अपने कटरे से सभी दुकानदारों के हस्ताक्षर करवा कर प्रवीण खंडेलवाल को सौंप देंगे।

इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान के संयोजक मर्केंटाइल एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सुरेश बिंदल ने बताया कि साइकिल मार्केट, भगीरथ पैलेस, चांदनी चौक, कश्मीरी गेट, सदर बाजार, चावड़ी बाजार एवं पुरानी दिल्ली के सभी प्रमुख मार्केट में यह अभियान चलाया गया है। हजारों आदमियों ने विचार-विमर्श किया तथा अपना सहयोग, समर्थन व्यापारियों को देने की मंशा जताई। डीडीए ने जितने कमर्शल स्पेस बनाए थे उसके केवल पंद्रह पर्सेंट दुकानें बनाई है। उपभोक्ता की आवश्यकता तथा बढ़ते हुए परिवार के कारण से उपभोक्ताओं की सेवा के लिए दुकानें बढ़ती चली गई। दुकानदार केवल अपने और अपने परिवार का पेट नहीं भरता है बल्कि तीन-चार कर्मचारियों के परिवार को भी पालता है। ठेले वालों के परिवार को पालता है, ट्रांसपोर्ट वालों को व्यापार उपलब्ध करवाते हैं।

छोटे से छोटा व्यक्ति जो सामान उठाने का काम करता है, जो रिक्शा चलाता है, जो ठेला चलाता है, जो टेंपो चलाता है वह सब व्यापार के ऊपर आधारित है। मॉनिटरिंग कमेटी की आड़ में दुकानों को सील करना एनजीटी में नगर निगम के द्वारा 75 परसेंट दिल्ली अनऑथराइज्ड घोषित करना कहां तक उचित है। काम सरकारी विभाग ना करें और दोष व्यापारियों को दें यह उचित नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री जी, शहरी विकास मंत्री जी दिल्ली के व्यापारियों का दर्द समझें और दिल्ली को उजड़ने से बचाएं। दिल्ली बचाओ-व्यापार बचाओ, दिल्ली बचाओ, अधिक से अधिक टैक्स पाओ, व्यापार बचाओ, बेरोजगारी दूर करो इसी अभियान को लेकर दिल्ली हिंदुस्तानी मर्केंटाइल एसोसिएशन के उपप्रधान श्री भगवान बंसल ने घोषणा की कि दस हजार कपड़े के व्यापारी इस अभियान में शामिल होंगे और आवश्यकता पड़ी तो और भी कड़े कदम उठाएंगे।